अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 237 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार 22 अगस्त 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह का निधन

कल्याण सिंह के निधन पर यूपी में 3 दिन का राजकीय शोक, सोमवार को अंत्येष्टि के दिन सार्वजनिक अवकाशः सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की अंत्येष्टि 23 अगस्त की शाम उनके पैतृक गांव अतरौली के नरौरा में गंगा घाट पर होगी। इस दिन पूरे यूपी में सार्वजनिक अवकाश भी रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल्याण सिंह के निधन की आधिकारिक जानकारी देते हुए प्रदेश में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा भी की। सीएम योगी ने बताया कि रविवार की शाम कल्याण सिंह का पार्थिव शरीर अलीगढ़ ले जाया जाएगा। लोगों के दर्शन के लिए वहां स्टेडियम में व्यवस्था हो रही है। अगले दिन सोमवार 23 अगस्त को पार्थिव शरीर उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि अतरौली लाया जाएगा। यहां लोगों के दर्शन के बाद नरौरा में गंगा किनारे अंतिम संस्कार किया जाएगा।

89 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का शनिवार की शाम निधन हो गया। 89 साल की उम्र में शनिवार की शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। वह कई दिनों से बीमार चल रहे थे। कल्याण सिंह की सेहत को देखते हुए सबसे पहले उन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चार जुलाई को उनकी हालत फिर से बिगड़ने पर उन्हें यहां से उन्हें पीजीआई में शिफ्ट किया गया था। बता दें पीजीआई में शिफ्ट होने के बाद दिन पर दिन उनका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था। डॉक्टर लगातार उनकी देखभाल में लगे थे। इस बीच सीएम योगी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेताओं ने समय-समय पर पीजीआई जाकर उनका हालचाल लिया था। कल्याण सिंह के निधन की खबर मिलते ही भाजपा समेत तमात राजनीतिक दलों में शोक की लहर दौड़ गई है।

90 के दशक में भाजपा के राममंदिर आंदोलन को कल्याण सिंह ने ही अलग पहचान दी। अयोध्या में विवादित ढांचा गिरने की जिम्मेदारी ली और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कल्याण सिंह का जन्म 5 जनवरी सन् 1932 को अलीगढ़ में अतरौली तहसील के मढ़ौली ग्राम के एक सामान्य किसान परिवार में हुआ। बचपन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए। कल्याण सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में कड़ी मेहनत कर अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद अध्यापक की नौकरी की।

बाबूजी के रूप में मिली थी पहचान, अलीगढ़ के अतरौली से निकले और देश की राजनीति में छा गए थे

साथ-साथ वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ कर राजनीति के गुण भी सीखते रहे। कल्याण सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में रहकर गांव-गांव जाकर लोगों में जागरूकता पैदा करते रहे।

कल्याण सिंह 1967 में अपना पहला विधानसभा चुनाव अतरौली से जीतकर उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचे। कल्याण सिंह 1967 से लगातार 1980 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इस बीच देश में आपातकाल के समय 1975-76 में 21 महीने जेल में रहे। इस बीच कल्याण सिंह को अलीगढ़ और बनारस की जेलों में रखा गया। आपातकाल समाप्त होने के बाद 1977 में रामनरेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया। उनकी सरकार में कल्याण सिंह को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। सन् 1980 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कल्याण सिंह विधानसभा का चुनाव हार गये। भाजपा के गठन के बाद कल्याण सिंह को उत्तर प्रदेश का संगठन महामंत्री बनाया गया।

'वंचित तबके को दी आवाज, पीढ़ियां करेंगी याद', कल्याण सिंह के निधन पर पीएम मोदी ने यूं जताया दुख

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह का शनिवार को निधन हो गया है। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत तमात बड़े नेताओं ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने कल्याण सिंह के बेटे राजवीर से फोन पर बात की और संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि दुख की इस घड़ी में मेरे पास शब्द नहीं हैं। कल्याण सिंह जी जमीन से जुड़े बड़े राजनेता और कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ एक महान व्यक्तित्व के स्वामी थे। उत्तर प्रदेश के विकास में उनका योगदान अमिट है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उनके बेटे राजवीर से बात हुई।

कल्याण सिंह के निधन से देशभर के करोड़ों लोग दर्द में : अमित शाह

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में दो बार मुख्यमंत्री रहे कल्याण सिंह का शनिवार की देर शाम को निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। कल्याण सिंह के निधन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। कल्याण सिंह के निधन की खबर लगते ही शोक संवेनाओं का दौर शुरू हो गया। राष्ट्रपति से लेकर पीएम मोदी और उप राष्ट्रपति ने भी ट्वीट कर गहरा शोक जताया। इनके अलावा गृहमंत्री अमित शाह, केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, सीएम योगी और रक्षामंत्री राजनाथ समेत कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदना प्रकट की।

-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कल्याण सिंह के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने कहा, कल्याण सिंह के निधन से, हमने एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व खो दिया है, जिन्होंने अपनी राजनीतिक कौशल, प्रशासनिक अनुभव और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्तर पर एक अमिट छाप छोड़ी।

-राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पूर्व सीएम कल्याण सिंह के निधन पर ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा, कल्याण सिंह का जनता से जादुई जुड़ाव था। यूपी के सीएम के रूप में, उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वच्छ राजनीति का पीछा किया और अपराधियों और भ्रष्टाचार के शासन को खत्म किया। उन्होंने अपने द्वारा रखे गए कार्यालयों को सम्मानित किया। उनके निधन से सार्वजनिक जीवन में एक खालीपन आ गया है। मेरी हार्दिक संवेदना।

-उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी कल्याण सिंह के निधन पर शोक जताया। उन्होंने शोक जताते हुए कहा यूपी के पूर्व सीएम कल्याण सिंह के निधन से आहत हूं। वह एक राष्ट्रवादी और एक अनुकरणीय नेता थे जो लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध थे। मेरी संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार और अनुयायियों के साथ है।

-रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सीएम के निधन की खबर पर दुख जताया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, कल्याण सिंह भारतीय राजनीति के एक दिग्गज थे, जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और काम से देश और समाज पर एक अमिट छाप छोड़ी... उनके निधन से मैंने अपने बड़े भाई और साथी को खो दिया है। उनके निधन से पैदा हुए शून्य को भरना लगभग असंभव है।

अखिलेश यादव बोले, 2022 में भाजपा का होगा सफाया, चाचा शिवपाल से गठबंधन को लेकर यह कही बात

सैंफई(इटावा) (एजेंसी)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि पुलिस को सबसे ज्यादा भाजपा की सरकार में अपमानित होना पड़ा है। कस्टोडियल व जुडिशल डेथ सबसे ज्यादा इसी सरकार में हुई है, और तो और जब लोग जेल में ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा पर क्या कहा जाए। शनिवार को सैफई में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद पत्रकारों को भाजपा के खिलाफ लिखने पर जेल भेज दिया जाता है।

विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं की प्रताड़ना पर उन्होंने कहा कि बंगाल और बिहार की चुनावी हिंसा से सभी राजनीतिक दलों ने सबक सीखा है और उसका मुकाबला चुनाव स्तर पर नेता व कार्यकर्ता स्वयं करेंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की कोशिश होगी कि जो सपा का कार्यकर्ता जनता के बीच में लोकप्रिय है और जो जनता की सेवा कर रहा है उसे मौका मिले। उत्तर प्रदेश की जनता मन बना चुकी है 2022 में भारतीय जनता पार्टी का सफाया होना है। प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह के साथ गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि छोटे दलों के लिए रास्ता खुला है। जो भारतीय जनता पार्टी को हराना चाहते हैं उन सभी दलों को साथ लेकर सपा काम करेगी।

पंजाब सरकार के खिलाफ पटरी पर किसान, 40 ट्रेनें रद्द होने से जम्मू में फंसे हजारों यात्री

जम्मू (एजेंसी)। पंजाब में किसानों के प्रदर्शन के कारण शुक्रवार से 40 से अधिक ट्रेनों के रद्द होने के कारण जम्मू कश्मीर में हजारों यात्री फंसे हुए हैं। रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गन्ने की कीमतें बढ़ाने और बकाया भगुतान से संबंधित मुद्दों को लेकर पंजाब सरकार पर दबाव बनाने के लिए किसानों ने शुक्रवार को जालंधर में अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू किया और लुधियाना-अमृतसर और लुधियाना-जम्मू रेल मार्गों पर ट्रेनों की आवाजाही को रोक कर दिया। उत्तर रेलवे के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया, ''कल (शुक्रवार) से कुल 40 ट्रेनें रद्द की गईं हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को अलग रूट पर जम्मू रेलवे स्टेशन से कुछ ही ट्रेनें रवाना हुईं, जबकि दिल्ली में शनिवार तड़के हुई बारिश के कारण जम्मू जाने वाली कुछ और ट्रेनों को रद्द करना पड़ा।

हमारे सब्र का बांध टूटा तो..., तालिबान का उदाहरण देकर महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार को दी चेतावनी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने तालिबान का उदाहरण देकर मोदी सरकार को चेतावनी दी है। सब्र का बांध टूटने पर हटा और मिटा देने की धमकी देते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मोदी सरकार अटल बिहारी वाजपेयी की तरह पाकिस्तान और कश्मीरियों से बात करे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आजादी के समय बीजेपी होती तो आज कश्मीर भारत में नहीं होता।महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को एक कार्यक्रम में तालिबान से तुलना करते हुए कहा, जिस वक्त यह बर्दाश्त का बांध टूट जाएगा, तब आप नहीं रहोगे, मिट जाओगे। पड़ोस (अफगानिस्तान) में देखो क्या हो रहा है। उनको भी वहां से बोरिया-बिस्तर लेकर वापस जाना पड़ा। आप के लिए मौका है अभी भी, जिस तरह वाजपेयी जी ने बातचीत शुरू की थी कश्मीर में, बाहर भी (पाकिस्तान के साथ) और यहां भी, उसी तरह आप भी बातचीत का सिलसिला शुरू करो।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने और राज्य का दर्जा हटाते हुए जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग करने के केंद्र सरकार के फैसले को लेकर महबूबा ने कहा, जो आपने गैर कानूनी तरीके से छीना है, गैर संवैधानिक तरीके से जो जम्मू-कश्मीर का नुकसान किया है, टुकड़े-टुकड़े कर दिए, उसे वापस करो नहीं तो बहुत देर हो जाएगी।वहीं, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना ने एक टीवी न्यूज चैनल से बातचीत में महबूबा मुफ्ती को देशद्रोही बताया और कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में तालिबान राज चाहती हैं। रैना ने कहा, महबूबा मुफ्ती किसी बहुत बड़ी गलतफहमी हैं, भारत एक ताकतवर देश है और हमारे देश के पीएम मोदी हैं, तालिबानी हों, अलकायदा हो, जैश हो हिज्बुल हो, जो भारत के एकता और अखंडता के खिलाफ साजिश करेगा उसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा, हमारे पीएम मोदी जी हैं, बाइडेन नहीं।

कंधार में भारत के खिलाफ रची गई साजिश चीनी दूत और जैश कमांडर ने तालिबान नेतृत्व से की गुपचुप मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान राज से चीन, पाकिस्तान से लेकर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भी खूब खुश है। अफगानिस्तान में चीनी राजदूत वांग यू और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के मुख्य ऑपरेशनल कमांडर मुफ्ती अब्दुल रऊफ अजहर ने गुरुवार को कंधार में तालिबान नेतृत्व से मुलाकात की और सुन्नी पश्तून इस्लामवादियों यानी तालिबानियों को अफगानिस्तान पर कब्जा करने के लिए बधाई दी। बताया जा रहा है कि दोनों ने तालिबानी नेतृत्व से अलग-अलग गुपचुप मीटिंग की हैं। यहां जानना जरूरी है कि मुल्ला बरादार और मुल्ला उमर के बेटे व तालिबान के उप नेता मुल्ला याकूब दोनों कंधार में हैं। मुल्ला बिरादर को अफगानिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में तालिबान की ओर से प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

एक ओर जहां चीनी राजदूत वांग ने बुधवार को अपने पाकिस्तानी समकक्ष से अफगान मुद्दे पर हर संभव सहयोग करने के लिए मुलाकात की, वहीं माना जा रहा है कि उन्होंने तालिबान शासित अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में बीजिंग की ओर से मदद की पेशकश करने के लिए कंधार में मुल्ला बरादर से भी मुलाकात की थी। यहां ध्यान देने वाली बात है कि चीन न केवल तालिबान के हाथों अमेरिका के अपमान से खुश है, बल्कि वह तालिबान राज में अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण के नाम पर बेल्ट रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को पूरा करना चाहता है। साथ ही चीन की नजर अफगानिस्तान में लीथियम, कॉपर और ऐसे दुर्लभ खनिजों के अकूत भंडार पर है। इतना ही नहीं, गैस और खनिज संसाधनों की निकासी के लिए अफगानिस्तान के माध्यम से मध्य एशियाई गणराज्यों तक पहुंचने के लिए चीन की बड़ी योजना है। चीन को वन बेल्ट, वन रोड प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए तालिबान की जरूरत भी पड़ेगी, क्योंकि यह रास्ता अफगानिस्तान से होकर ही आगे बढ़ता है। वहीं, जिहाद में तालिबान के वैचारिक साथी जैश-ए-मोहम्मद के मुफ्ती रऊफ ने बहावलपुर स्थित आतंकी समूह जैश की ओर से निष्ठा की पेशकश करने के लिए कंधार में मुल्ला याकूब से मुलाकात की।

रक्षा बंधनः केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ने मुख्तार अब्बास नकवी को बांधी राखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कैबिनेट में अपने सहयोगी मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधी है। मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधते साध्वी निरंजन ज्योति की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन तस्वीरों में नजर आ रहा है कि एक थाली में राखी रखी हुई है और केंद्रीय मंत्री अपने सहयोगी को राखी बांध रही हैं। इसके बाद दोनों एक साथ खड़े होकर मुस्कुरा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक साध्वी निरंजन ज्योति, मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधने के लिए उनके घर गई थीं। आपको याद दिला दें कि इससे पहले साल 2019 में भी एक ऐसी ही तस्वीर सामने आई थी। जिसमें केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की कलाई पर राखी बांधती नजर आई थीं। इसके बाद केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ने नकवी को मिठाई भी खिलाया था। आपको बता दें कि

हिंदी पंचांग के अनुसार काल 22 अगस्त को देश भर में राखी का त्योहार मनाया जाएगा। इस तिथि को भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षा बंधन का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है।

खबर संक्षेप

पुण्य कार्यों में भाग लेकर जीवन को सार्थक बनाना चाहिए : हरिप्रप्पनाचार्य

प्रतापपुर।श्री हरिहरधाम कुंदौरा महादेव धाम में आयोजित दो दिवसीय शिव पार्वती मंगल कथा में रामानुजाचार्य श्री हरिप्रप्पनाचार्य महाराज ने संगीतमय पार्वती मंगल कथा में भगवान शंकर एवं पार्वती के पाणिग्रहण कथा का विस्तार से वर्णित किया।बताया कि जगदम्बा पार्वती ने भगवान शंकर जैसे निरन्तर समाधि में लीन रहनेवाले परम उदासीन वीतराग को पति रूप में प्राप्त करने के लिये कैसी कठोर साधना की, कैसे-कैसे क्लेश सहे, किस प्रकार उनके आराध्य देव ने उनके प्रेम की परीक्षा ली और अंत में कैसे उनकी अदम्य निष्ठा की जीत हुई इसका हृदयग्राही तथ मनोरम वर्णन पार्वती मंगल में है। शिव बरात के वर्णन में हास्यरस के मधुर पुट के साथ विवाह एवं विदाई का मार्मिक एवं रोचक वर्णन करके उपस्थित कथा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विशाल कुश्ती प्रतियोगिता आज

प्रतापपुर। क्षेत्र के करुआडीह **(हनुमान मंदिर)।** प्रतापपुर में विगत वर्षों की भांति इस बार भी रक्षाबंधन के पावन पर्व पर विशाल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य धर्मेद सरोज एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना दल(एस)गंगापार के जिलाध्यक्ष भानू प्रताप पटेल उपस्थित रहेंगे।

बिहरिया गांव : प्रदूषित पानी के सेवन से घर-घर पहुंचा डायरिया

बरसात के बाद से हैंडपंप से निकल रहा प्रदूषित पानी, शिकायत पर सीएचसी शंकरगढ़ की टीम ने लगाया कैंप

अखंड भारत संदेश

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शंकर गढ़ के अधीक्षक पूरी टीम के साथ बिहरिया गांव पहुंचे और डायरिया पीड़ित लोगों की जांच करवाई व दवाइयां दी गई।

शंकरगढ़,प्रयागराज। बरसात के मौसम में प्रदूषित जल के सेवन से दर्जनों लोग डायरिया की चपेट में आ गए हैं। इनमें से कुछ लोगों का इलाज निजी अस्पतालों में चल रहा है। मामले की जानकारी होने पर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ के अधीक्षक पूरी टीम के साथ क्षेत्र के बिहरिया गांव पहुंचे और डायरिया पीड़ित लोगों की जांच कर दवाएं दी।

बताया जाता है कि विकास खंड शंकरगढ़ के बिहरिया गांव में पिछले सप्ताह भर से डायरिया का प्रकोप चल रहा है। शुरूआत में लोगों ने इसे हल्के में ले लिया। नतीजा यह हुआ कि देखते ही देखते गांव के हर घर में एक- दो लोग डायरिया की चपेट में आ गए।

इस समय बिहरिया गांव में तकरीबन 60 से 65 लोग इसकी चपेट में हैं। बताया जाता है कि बीते पखवारे भर से हो रही बरसात के बाद से कुओं का पानी प्रदूषित हो गया है। हैंडपंप से भी प्रदूषित पानी निकल रहा है, जिसके सेवन से लोग डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। गांव में डायरिया पीड़ितों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर बिहरिया के प्रधान प्रतिनिधि परमेश्वर सिंह ने स्वास्थ विभाग को जानकारी दी।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ के अधीक्षक डॉ शैलेंद्र सिंह ने बताया कि डायरिया फैलने की शिकायत पर आज वह पूरी टीम के साथ गांव पहुंचे और गांव में कैंप लगाकर पीड़ितों की जांच की गई, साथ ही दवाओं का वितरण किया गया। इसके अलावा लोगों को साफ-सफाई रखने, उबला पानी पीने की सलाह दी गई है. लोगों को पानी साफ करने के लिए ब्लीचिंग पाउडर भी दिया गया है।

17 अगस्त से मिलने लगे थे रोगी

बिहरिया गांव में करीब 60 से 65 लोग बीमार हो चुके हैं। कुछ ठीक होते हैं तो कुछ बीमार हो जाते हैं। यह क्रम 17 अगस्त से निरंतर चल रहा है। मौजूदा समय में बिहरिया गांव की रहने वाली मालती देवी 55 वर्ष, दीनानाथ 40 साल, सीबू 8 साल, हर्षिता मिश्रा 12 साल,प्रीशु 8 साल, प्रभादेवी 40 साल, सुग्रीव प्रसाद 55, फूलचंद आदिवासी 40,स्वतः मिश्रा 14, गब्बर 18 वर्ष आदि बीमार हैं। गांव के ही भाजपा के सेक्टर संयोजक रूद्र प्रताप मिश्रा ने बताया कि गांव में हर तरफ बरसात का पानी भरा हुआ है। दूषित पानी पीने की वजह से सभी लोग बीमार हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पानी में ब्लीचिंग पाउडर डलवा दिया गया है।

न्यूज झरोखा

आया राखी का पावन त्यौहार बाजारों में सजी दुकाने दुकानदारों के चेहरे में आई मुस्कान

जारी बाजार में सजी राखी की दुकाने नजर नही आ रहे खरीददार

जारी(प्रयागराज) भाई बहन के प्यार का त्यौहार आगामी रविवार को है जारी बाजार में दिन शनिवार को कई दुकानदारों ने राखी की दुकानें भी लगा ली है। पर त्यौहार को देखते हुए बिक्री ना के बराबर थी ।लेकिन इस बार इस त्यौहार पर कोरोना का साया है। ऐसे में भाई को कलाई पर बांधी जाने वाली राखी का बाजार ठंडा पड़ा है ।रक्षाबंधन उसी उत्साह को लेकर व्यापारियों में खुशी दिखाई दे रही हैं । कई दुकानदारों ने राखियां सजा रखी है ।इस बार बाजार में राखियों के नए डिजाइन नहीं है और पिछले साल की तुलना में दामों में भी बढ़ोतरी है । राखी के विक्रेताओं ने बताया कि इस साल बाजार में राखी का बहुत ज्यादा स्टाक नहीं है । रक्षाबंधन से तीन-चार माह पहले ही राखियों का स्टॉक तैयार करवाया जाता है ।मगर इस वर्ष मार्च में साप्ताहिक लॉकडाउन लग गया लॉकडाउन में सारे मजदूर अपने घर चले गए अब थोड़ा बहुत माल तैयार हो रहा है चाइना से भी माल नहीं आता है ।

हाथों की कलाइयों पर नजर आएगी छोटा भीम और गणेश वाली राखियां जारी बाजार में सजी दुकानों में कार्टून कैरेक्टर की राखियां सबसे ज्यादा नजर आ रही हैं वे कार्टून कैरेक्टर की राखियां बच्चों को लुभाने के लिए सजा दी गई हैं छोटे बच्चे भी इन्हीं कार्टून कैरेक्टर की राखियां से ज्यादा पसंद करते हैं।

महंगाई का दिखा असर

रक्षाबंधन को लेकर हर घर में तैयारी चल रही है लेकिन रक्षाबंधन वाले दिन रविवार का करोना कर्फ्यू खत्म होने के बावजूद भी रौनक नहीं रही कारण राखियों की दुकान में संशय बना हुआ है ऐसे में अभी से राखी की दुकानों को सजा लिया गया है कोरोना संक्रमण के चलते इस बार राखी की कीमतों में 15 से 20% तक बढ़ोतरी हुई है। दुकानदारों की मानें तो कोरोना संक्रमण और महंगाई के कारण राखियों की खरीदारी कम हो रही है। अगर मानें तो मिठाइयों की दुकानों पर भी भीड़ का असर नहीं दिखा कारण मिठाइयों के दाम भी खूब बड़े हैं। लोग जरूरत के हिसाब से खरीदारी कर रहे हैं।.....

अशोक यादव(अंजान) जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

प्रतापपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता विधानसभा प्रतापपुर के सरायहरिराम उग्रसेनपुर निवासी अशोक यादव (अंजान)को मुलायम सिंह यादव यूथ बिग्रेड प्रयागराज का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के जिलाध्यक्ष सैफ फरीदी ने उनके नाम की घोषणा करते हुए बताया अशोक यादव (अंजान) पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता है और लगातार पिछले 20 वर्षो से पार्टी के लिए निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे है।इस मनोयन पर अशोक अंजान ने जिला अध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड सैफ फरीदी के प्रति आभार जताते हुए कहा मैं पार्टी के लिए अपना शत-प्रतिशत देते हुए प्रयगाराज जनपद में पार्टी को मजबूत करने का कार्य करूँगा।पूर्व सपा प्रत्याशी फूलपुर लोकसभा पंधारी यादव,पूर्व विधायक प्रतापपुर,विजमा यादव,अब्दुल सलमान,रविन्द्र यादव,नसरुद्दीन सिद्दीकी,विजय यादव,पंडित योगेश शर्मा,जितेंद्र यादव,सीपी यादव,गुलाब यादव,राजेंद्र यादव,जयसिंह,अतुल सिंह,दीपक,राहुल सहित अन्य सपा कार्यकर्ताओ ने बधाई दिया।

कोरांव में बालिका के घर में घुस कर सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास

अखंड भारत संदेश

कोरांव।प्रायग्राज। थाना कोरांव छेत्र के ग्राम मझिगवा पैतीहा में कुछ शरारती तत्वों ने सोलह वर्षीय एक बालिका को घर में अकेली देख जबरन घर के अंदर घुस कर दरवाजा बन्द कर सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास किया। आरोपियों को शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया गया।

बता दें कि जोधिका प्रसाद धैकार की सोलह साल की बेटी २१ अगस्त को अपने घर में थी,शाम पांच बजे करीब ग्राम के ही मिथुन पुत्र मोती लाल एवम शिवा पुत्र छोटे लाल कोल जोधीका के घर में घुस गए और उक्त बालिका बदला नाम अंशिका को घर के अंदर घुस के दरवाजा बन्द कर लिया और सामूहिक दुराचार का प्रयास किया। बालिका के पुरजोर विरोध से उक्त लोग उसके साथ छेड़खानी भी किए। मुंह बनी दबा रखे थे। किसी तरह

कोरांव पुलिस ने नामजद आरोपियों को किया गिरफ्तार

बालिका चिल्लाई तो शोर सुनकर उसकी बगल की चाची दौड़ी दरवाजा पिटा और हल्ला मचाया तो अपराधी जन से मारने की धमकियां देते हुए बालिका की चाची को मारते पीटते हुए भाग निकले। चाची को चोटें भी आईं। ११२ नंबर की पुलिस को सूचना दी गई। मार्ग खराब होने के कारण पुलिस नहीं पहुंची। तो २१ अगस्त को बालिका का पिता प्रयागराज से घटना सुन कर आया और थाना कोरांव में रपट दी। जोधिका ने बताया मेरी पत्नी बकरी चराने गई थी। और हम प्रयागराज में एक भारतीय वन सेवा के अधिकारी के यहां रह कर काम करता हूं। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। देखना है कि पुलिस अब आगे अपराधियों के खिलाफ क्या कार्यवाही करती है।

खून की नदी बहाने वाले पानी की एक बूद भी नही बहा सके : विनोद सोनकर

अखंड भारत संदेश

यमुनापार बारा विधान सभा की योजना बैठक लेने पहुंचे राष्ट्रीय मंत्री और कौशाम्बी सासंद

जसरा, प्रयागराज। अबकी बार योगी सरकार नही, बल्कि बार-बार योगी सरकार,मोदी सरकार और भाजपा की सरकार बनाएंगे। धारा 370 हमने समाप्त खून की नदी बहाने बाले पानी की एक बूद भी नही बहा सके, देश मे मोदी और अमित शाह की सरकार है मां भारती के सम्मान और स्वाभिमान के विपरीत कोई भी कार्य करेगा चाहे देश के अंदर का हो या विदेश भारत ने घुसकर मारा है और फिर मारेगा।राम मंदिर के लिए जो चिल्लाते थे राम मंदिर निर्माण कराऐंगे, तारीख नही बताएंगे, उन्हे तारीख भी बताया, मन्दिर में दर्शन कराकर मुक्ति भी दिलवाऐंगे। देश मे कई महामारी आई विगत 100 वर्षो मे भारत ने टीका नही बना पाई चूकीं मोदी जैसा नेतृत्व और नेता नही था। देश के प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों पर भरोसा किया और भारतीय वैक्सीन बनकर देश की जनता की जान बचाने का कार्य कर रही है। कुछ लोगों ने भाजपा की वैक्सीन कहकर लोगो को गुमराह किया। और इसके कारण दूसरी लहर मे लोगो ने अपने स्वजनों, परिजनों की जो जान गंवाई जनता उसे कभी माफ नहीं करेगी उसके जिम्मेदार यही सब विपक्षी और कुचक्री है। और जब स्यमं की अटकीं तो स्यमं जाकर वैक्सीन लगवाई उक्त बातें मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री सांसद कौशाम्बी विनोद सोनकर ने यमुनापार बारा विधान सभा की योजना बैठक को श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर मीडिएट कालेज जसरा मे शनिवार को संबोधित करते हुए कार्यकताओं से कही और 2022 मे पिछले रिकार्ड को ध्वस्त कर उससे ज्यादा सीटे जीतने का मंत्र कार्यकताओं को बूथ समितियों और पन्ना प्रमुखों के महत्व को बताते हुए महत्वपूर्ण जानकारियां दी।योगी सरकार के एतिहासिक कार्यो से सरकार बनने की बात कहकर सभी को 23 अगस्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बूथ विजय अभियान की शुरूआत करेंगे उसमे कार्यकताओं को वर्चुअल माध्यम से जुड़ने को कहा। विशिष्ट अतिथि विधायक बारा डॉ. अजय कुमार रहे। कार्यक्रम की

यमुनापार बारा विधान सभा की योजना बैठक लेने पहुचे राष्ट्रीय मंत्री और कौशाम्बी सासंद

अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने किया। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी महेंद्र बिन्द,ब्रह्मदत्त सुपरी,राजा बाबू सुपरी,अश्वनी सिंह पटेल, संतोष त्रिपाठी,कमलेश त्रिपाठी, पुष्पराज सिंह पटेल, मनोज पासी,दिलीप कुमार चतुवेर्दी,प्रकाश शुक्ला प्रचंड,हरिदेव धूरिया,आरती कोल,विजय शंकर शुक्ला,शिवराम सिंह परिहार,रत्नाकर सिंह पटेल,मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला,शिव प्रसाद केसरवानी,कुलदीप पटेल,बन्दना सिंह,नीरज केसरवानी आदि जिला पदाधिकारी,मंडल प्रभारी,मंडल अध्यक्ष,मंडल महामंत्री,शक्ति केन्द्र प्रभारी,शक्ति केन्द्र संयोजक, बूथ सत्यापन अधिकारी,विस्तारक उपस्थित रहे।उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने दी।

एसडीएम व तहसीलदार ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

अखंड भारत संदेश

कोरांव। प्रयागराज। तहसील दिवस कोरांव में उप जिलाधिकारी कोरांव अभिनव कनोजिया एवम तहसीलदार डी के शर्मा ने फरियादियों की समस्याएं सुनी। तहसील दिवस में मुख्य शिकायत एक सामने यह आई कि कोराव थाना इलाके के ग्राम नेवढ़ीया पाल में एक बेटे ने अपने वृद्ध बाप को आए दिन मारपीट कर घर से बे दखल करने का प्रयास करता है। भागवत सिंह पटेल पुत्र अक्षय कुमार साठ वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई बाई कि मेरे बेटे सुरेंद्र सिंह पटेल द्वारा विगत तीन वर्षों से निरंतर मेरा उत्पीड़न किया जा रहा है। जिम्मेदार अफसरों से शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई अमल में नहीं लाई जा रही है। जिससे मेरी किसी भी समय हत्या हो सकती है। पटेल ने बताया कि वो अपराधी किस्म का है,घर से बेदखल व निकाल बाहर कर चुका हूं। किन्तु रिश्तेदारों के यहा रहकर मेरी सारी सम्पत्ति कब्जा कर कौड़ी के तीन भाव में बेंच कर अय्यासी करना चाहता है। जो

अल्हवा ग्राम सभा में पुलिस और राजस्व टीम खाली कराएगी ग्राम समाज की जमीन,

बाप को बेटे से जान का खतरा,कार्यवाही का आदेश

मुझे मंजूर नहीं। उक्त शिकायत पर उप जिलाधिकारी कोरांव ने राजस्व इंस्पेक्टर से रिपोर्ट तलब की है। इस बाबत थाना कोरांव में सुरेंद्र के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या २७१/२०२१ पर मुकदमा भी दर्ज है। बेटे के बेंजा हरकत से त्रस्त हो कर मुख्यमंत्री तक फरियाद किया किंतु कोई कार्यवाही कोरांव पुलिस ने नहीं किया। भुक्त भोगी ने चेताया कि यदि मेरी हत्या हुई तो पुलिस और स्थानीय प्रशासन ही जिम्मेदार होगा। इसी प्रकार ग्राम सभा अल्हवा में ग्राम प्रधान शहजादे की शिकायत पे उप जिलाधिकारी ने राजस्व इंस्पेक्टर बड़ोखर को टीम गठित कर ग्राम समाज की जमीनें खाली कराने और अतिक्रमण कताओं के खिलाफ विधिक कार्यवाही का हुक्म दिया है। इसके पूर्व भी उप जिलाधिकारी ने लेखपाल को अल्हवा कोटेदार द्वारा ग्राम समाज की जमीन पर अवैध कब्जा के आरोप में बोई जोती गई फसल को ट्रैक्टर लेकर नष्ट करने का आदेश दिया है। किन्तु व्यस्तता के चलते समय नहीं मिल पा रहा। प्रधान द्वारा गरीबों को ग्राम समाज की जमीनें आवंटित किए जाने की कार्यवाही चल रही है।

इसी तरह ग्राम प्रधान ने ग्राम पंचायत की मुख्य मार्गों के नष्ट हो जाने के विषय में मरम्मत के लिए आवेदन तिबारा दिया। जिस पर ग्रामीण अभियंत्रण सेवाएं विभाग से आख्या मांगी गई। क्योंकि इस बाबत प्रधान ने जिलाधिकारी को भी पत्र लिखा था। जिस पर जिला विकास अधिकारी प्रयागराज के माध्यम से उक्त विभाग के एक्शियन को एक सप्ताह के अंदर अवर अभियंता से रिपोर्ट भी मांगी गई है। इसी तरह तमाम फरीयादियों ने अपनी अपनी शिकायतें की। कुछ मामलों में वकीलों और तहसीलदार के मध्य तू तू मैं मैं भी हुई। जिसका समाधान उप जिलाधिकारी ने किया।

पचदेवरा गौहनिया सडक मार्ग निर्माण में अनियमितता की शिकायत

करछना। तहसील संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर करछना वासियों ने जिला अधिकारी को शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि अभी हाल में ही पचदेवरा से गौहनिया सडक मार्ग का कार्य कराया गया था । जिसमें ब्यापक पैमाने पर निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने का आरोप करछना निवासी रिंकू सिंह ने शिकायत दर्ज कराया है कि, सडक मार्ग पर बडे-बडे गड्ढे बन गयें हैं ।और पुलिया का निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने व सडक चौडी करण के बाद से बिजली के खम्भे नहीं हटाये जाने से लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं । मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला जिला अधिकारी संजय खत्री ने समबन्धित विभाग के उच्च अधिकारियों से जांच कर कारवाई करने का निर्देश दिया है।

संपूर्ण समाधान दिवस : डीएम ने सुनी समस्याएं

अखंड भारत संदेस

फरियादियो की शिकायतों का अवलोकन करते जिलाधिकारी

करछना। संपूर्ण समाधान दिवस करछना तहसील में जिला अधिकारी संजय खत्री एवं एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के आने पर फरियादियों में उत्साह देखने को मिला । संपूर्ण समाधान दिवस पर सुबह 11:00 बजे पहुंचे जिलाधिकारी संजय खत्री ने लोगों की समस्याएं सुनी लेकिन डेढ़ घंटे तक समस्याएं सुनने के बाद वह एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के साथ प्रयागराज किसी कार्यक्रम में शरीक होने के लिए लौट गए हांलाकी बारिश होने के कारण फरियादियों की संख्या कम ही दिखाई पड़ी । समाधान दिवस पर सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रही सुनाई गांव के अनारा देवी ने जिले के जिलाधिकारी से पट्टे की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की, इसी तरह घटवा गांव के ललन सिंह पुणे अपनी जमीन पर दबंगों द्वारा अवैध कब्जा कर ली जाने की शिकायत की एवं डभांव नैनी के श्याम बाबू ने उनकी भूमि धरी पर गांव के दबंग लोगों द्वारा अवैध निर्माण करने की शिकायतें की जिसपर जिलाधिकारी ने जल्दी निस्तारण का आस्वासन दिया । कृष्णा पचदेवरा मार्ग पर काली मां मंदिर के सामने सड़क पर हुए गड्ढे की शिकायत करते हुए लोक निर्माण विभाग की लापरवाही से के चलते आए दिन हो रहे दुर्घटना से लोग घायल हो रहे हैं जिसे लोगों ने जल्दी ठीक कराए जाने की मांग की है शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी संजय खत्री ने त्वरित निस्तारण की जाने का मातहतों को निर्देश दिया साथ ही विभागीय अधिकारियों को हिदायत दिया कि संपूर्ण समाधान दिवस वह आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने का आदेश दिया जिलाधिकारी के सभी गाने वही समाधान दिवस समाप्त के पहले ही डीएम एवं एसएसपी के चले जाने से कई फरियादी मायूस दिखे संम्पूर्ण समाधान दिवस पर कुल 167 शिकायतें आई ।इस मौके पर उपजिलाधिकारी करछना बिनोद कुमार पांडेय,सीओ राजेश यादव, तहसील राम प्रसाद त्रिपाठी,नायब तहसीलदार विनय त्रिपाठी, एसडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा, रेंजर रजनीश श्रीवास्तव, कानूनगो वैशाली शुक्ला सहित कई अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे ।

जगह-जगह जल जमाव से लोगो को करना पड़ रहा मुश्किलों का सामना

कई जगह पानी के बहाव से सड़के बहने के कगार पर पहुँच चुकी हैं प्रशासन ने ध्यान नही दिया तो हो सकती है दुर्घटना

बारिश के कारण सड़कों पर इस तरह से भरा पानी आवागमन में हो रही परेशानी

खस्ताहाल दयनीय अवस्था में रोकड़ी मार्ग

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार रुक-रुक हो रही बारिश से किसानों में खुशी है ,तो वहीं बारिश के चलते कुछ इलाकों में नारकीय जीवन बना हुआ है। जगह-जगह जल जमाव होने से लोगों को आवागमन करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह पर पानी की वजह से सड़क बहने की कगार पर पहुंच चुकी है। शुक्रवार रात्रि हुई मुसलाधार बारिश से एक बार फिर सड़कें व नाले ताल-तलैया में तब्दील हो गये हैं। सोरांव गांव रेलवे स्टेशन मार्ग से बकचूंदा, डाही, निबैया, पहाड़पुर को जोड़ने वाली सड़क बहने की कगार पर पहुंच चुकी है। मेजारोड प्राथमिक विद्यालय के पीछे बने नाले में पानी बारिश का पानी लबालब भर हुआ है। जिसके कारण पानी सड़क के ऊपर से बह रहा है। लोगों को आवागमन करने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यदि पानी सड़क पर बह रहा है, अगर इसी तरह पानी बहता रहा तो सड़क पानी में बहकर ध्वस्त हो जाएगी। और लोगो को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं।

एक सड़क मार्ग के लिए मोहताज दलित बस्ती रोकडी

करछना। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत रोकडी में दलित व ब्राहमण बस्ती में आजादी एक एक दशक बाद भी यहाँ के पांच सौ बस्ती वाले मजरे में यहाँ के लोग एक अदद् सडक मार्ग के लिए मोहताज है ।शादी ब्याह से लेकर बीमार पीडितो सहित प्रशव से पीडितो गांव से चारपाई पर लाद कर पहुंच मार्ग तक ले जाते हैं गांव वासी, कहने को सरकार शहर से लेकर गांव स्तर पर विकास कार्य का ढिढोरा पीट रही है कि विकास के लिए सडकों का जाल बिछाया गया है, सरकार इतना सब कुछ करने के दौरान जिम्मेदार लोग कागजों पर कारीगरी दिखा कर सडक मार्ग के नाम पर पैसा हजम कर चुके हैं लेकिन बाजीगरी के खेल में गांव की जनता आजादी के एक दशक बाद भी एक अदद् सडक मार्ग के लिए मोहताज है, सरकार को आईना दिखाने के लिए रोकडी गांव के मॉ सेवा संस्थान के अध्यक्ष अपने संस्थान के सदस्यों को लेकर जिला अधिकारी संजय खत्री से रोकडी गांव की इस जटिल समस्या को गंभीरता से उठाया और गांव की इस आबादी में जाने के लिए संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य करायें जाने की मांग की है ।

गांव के पीडितो को प्रधान मदद् करते हुए मिट्टी का तेल वितरण किया

करछना। तहसील क्षेत्र के गंगा टोंस नदी के किनारे बसे गांवो में गत दिनों बाढ के पानी से घिर चुके बड़ी संख्या में लोग आज भी परेशान हो रहे हैं, कहीं पानी से तो कहीं महामारी के बचाव के लिए तों कहीं बिजली के संकट से उन्हें उबरने में वक्त लगेगा ।टोंस नदी के किनारे बसे गाँव हथसरा में बाढ का पानी लोगों के घरों से लेकर खेतों में बोई गई फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है, जिसको लेकर गांव के प्रधान शिव गणेश पटेल ने गांव के किसानों को आपदा राहत की मदद् से तहसील प्रशासन पीडित लोगों को मदद् दिलाने के लिए प्रयास में लगे हैं, वही दूसरी ओर उनके परिजनों को भी खाने पीने, मिट्टी के तेल से लेकर गांव में महामारी न फैले इसके लिए डाक्टरों की टीम बुलाकर महामारी पर अंकुश लगाने के लिए गांव में छिड़काव की ब्यवस्था कराया ।उन्होंने बताया कि जिस तरह से गांव की जनता ने आशीर्वाद देकर भरोसा दिलाया है, उसी तरह गांव के लोगों की मदद् में सदैव तत्पर रहने का काम करतें रहेंगे,,प्रधान द्वारा किए गए कार्यो से गांव के गणमान्य लोगों ने सराहना करते बधाई दी ।

छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्राओं को सम्मानित करते भाजपा काशी प्रांत के उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा

घूरपुर। क्षेत्र के कमला स्मारक इंटर कॉलेज बलापुर में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें हाई स्कूल परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले तीस छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक अनिल विश्वकर्मा ने किया। महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित आयोजन को संबोधित करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा काशी प्रांत उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा ने कहा कि हमारे देश की बेटियां आज हर क्षेत्र में बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। हमे इस बात पर गर्व है कि विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाली बेटियों को सम्मानित किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि जगदम्बा शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित शिक्षण एवम सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर बेटियों की हरसंभव सहायता करना चाहिए ताकि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। सम्मान समारोह के आयोजक समाजसेवी शोध छात्र अभिषेक सिंह पटेल ने कहा कि बेटियों को सम्मानित करने में उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर उनकी ओर से छात्र छात्राओं को स्कूल बैग, स्टेशनरी, सामान्य ज्ञान की पुस्तकें तथा पौधे देकर सम्मानित किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यालय के प्रबंधक ने आये हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्या अलका विश्वकर्मा, एखलाक अहमद, विद्याकान्त, अर्जुन सिंह आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। सम्मान समारोह में विद्यालय के शिक्षक, छात्र छात्रायें तथा अभिभावक गण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

जंघई में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, तीन के खिलाफ केस

प्रयागराज। जंघई के एक गांव की रहने वाली एक किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ पास्को एक्ट एवं सामूहिक दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में शनिवार को पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है, लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। जंघई पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली करीब सोलह वर्षीय किशोरी 26 जुलाई की रात करीब आठ बजे घर से कुछ दूर पर स्थित दुकान से माचिस खरीदने के लिए गई हुई थी। आरोप है कि गांव के ही तीन युवक रास्ते में लौटते वक्त उसे बगल के एक आटा चक्की के कमरे में खीच ले गए। आरोप है कि तीनों युवकों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। किशोरी ने मामले की जानकारी जब अपनी मां को दी तो हड़कंप मच गया।पीड़ित किशोरी की मां ने जंघई के मीरगंज थाने में तीन युवकों के खिलाफ नामजद तहरीर दी, लेकिन पुलिस रिपोर्ट दर्ज करने में कई दिनों तक हीलाहवाली करती रही। दबाव पड़ा तो शनिवार को आरोपी अंकित, विवेक एवं लल्ला के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म एवं पास्को एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पीडित किशोरी को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा। लेकिन आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी। इस सम्बंध में एसओ मीरगंज राणा प्रताप का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है, शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सब्जी विक्रेता की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में हड़कंप

घटना को लेकर मौका मुआयना करती पुलिस टीम।

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर के फाफामऊ क्षेत्र में शनिवार को दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। फाफामऊ में कांशीराम आवास में रहने वाले सब्जी विक्रेता विजय कन्नौजिया और लालापुर में अमित उर्फ कल्लू तिवारी की गोली मारकर हमलावरों ने हत्या कर दी। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। हमलावरों का फिलहाल सुराग नहीं लग सका है। कांशीराम आवास योजना फाफामऊ कालोनी के गेट पर सब्जी विक्रेता की सरेशाम गोली मारकर हत्या कर दी गई। इससे कालोनी सहित पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर भाग निकले। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर हमलावरों के बारे में सुराग लगाने का प्रयास किया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है, परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है ' कांशीराम आवास योजना फाफामऊ में रहने वाला विजय कन्नौजिया रसूलाबाद में सब्जी की दुकान लगाता था। शनिवार को सुबह करीब ग्यारह बजे वह अपनी स्कूटी से सब्जी की दुकान के लिए निकला था कि कालोनी के गेट पर पहले से घात लगाए बदमाशों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके बाद हमलावार भागकर कुछ दूर पर खड़ी अपनी बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। सूचना पाकर आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

नगरवार गांव में थानाध्यक्ष के हत्यारोपी की गोली मारकर हत्या

अखंड भारत संदेश

लालापुर। लालापुर थाना क्षेत्र के नगरवार गांव में शनिवार को खेत में पानी लगाने के विवाद को लेकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की सूचना पर एसपी यमुनापार के साथ सीओ बारा व कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विवाद में पहले दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी, जिसमें कई लोग घायल है।

नगरवार गांव निवासी राकेश पाल शनिवार को अपने खेत पानी लगाने गया था। इसी बीच गांव के पूर्व प्रधान का पुत्र अरूण पाठक अपने भाइयों के साथ वहां पहुंचा और राकेश को पानी लगाने से मना करने लगा। जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर राकेश ने वर्तमान प्रधान पति मुकेश तिवारी व परिजनों को बुला लिया। दोनों पक्ष मामले को लेकर पंचायत कर रहे थे। इसी बीच दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और गाली गलौच होने लगी। पूर्व प्रधान पक्ष के दर्जनों लोगों ने वर्तमान प्रधान पति मुकेश तिवारी को घेरकर उनकी पिस्टल और रायफल छीन ली औ? लाठी डंडे से उसे पीटकर घायल कर दिया। इसके बाद प्रधान पति मुकेश ने अपने चचेरे भाई के साले अमित उर्फ कल्लू तिवारी निवासी बिरवल थाना घूरपुर को भी बुला लिया। मौके पर पहुंचे कल्लू तिवारी ने अपने जीजा को पिटता देख विपक्षियों को ललकारा तो विपक्षी फायरिंग करने लगे। फायरिंग में अमित उर्फ कल्लू को गोली लग गयी और वो खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। घायल कल्लू को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना होते ही मौके पर लालापुर एसओ मनीष कुमार त्रिपाठी पहुंच गए। उसके बाद एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित, सीओ बारा अवधेश कुमार शुक्ल के साथ कई थानों की फोर्स के साथ फारेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। घटना के बारे में ग्रामीणों से पूंछतांछ की जा रही है। मृतक अमित उर्फ कल्लू के बहनोई मुकेश तिवारी निवासी नगरवार की तहरीर पर अशोक पाठक, अरुण पाठक व अनिल पाठक पुत्रगण रामगणेश पाठक, प्रकाश व प्रशांत व विकाश पाठक पुत्रगण दिलीप कुमार पाठक के खिलाफ धारा 147, 148, 149, 323, 504, 506,302,120/बी 34 आइपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसमें दो अभियुक्त अरुण पाठक व अनिल पाठक को पुलिस ने असलहा सहित गिरफ़्तार कर लिया गया है।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस फोर्स व (इन्सेट में मृतक की फाइल फोटो)

दरोगा की हत्या का आरोपी था मृतक

बिरवल गांव निवासी अमित उर्फ कल्लू तिवारी दरोगा आरपी द्विवेदी की हत्या का आरोपी है। 14 जून 2013 को बारा थाने में तैनात दरोगा आरपी द्वेदी की शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के हड़ही गांव के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में अमित आरोपी है।

प्रधानी को लेकर हुआ था कहासुनी

नगरवार गांव की प्रधानी आरोपी अशोक पाठक के परिवार में आजादी के बाद से ही रही है। वहीं इस बार फौज से सेवानिवृत्त होकर आए मुकेश तिवारी की पत्नी प्रधान चुन ली गईं। इसको लेकर दोनों पक्षों में टशन थी। शनिवार को हुए विवाद में दोनों पक्ष आमने सामने आ गए और विवाद बढ़ने पर हुई फायरिंग में कल्लू तिवारी की मौत हो गई।

घर से बाजार के लिए निकला युवक लापता, तालाब पर मिली बाइक

हड़िया। शुक्रवार की शाम से लापता युवक आरव यादव की खोज के लिए गांव के ही तालाब के किनारे मिली बाइक के आधार पर शक जताते हुए पुलिस द्वारा गोताखोरों को बुलवाकर तालाब में उतारा गया। गोताखोरों द्वारा जाल भी डाला गया 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया। उधर पुलिस लगातार तेजी के साथ कार्यवाही करने में जुटी हुई है। बतादें कि हंडिया थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कुराकाठ निवासी शिव शंकर यादव का पुत्र 21 वर्षीय आरव यादव शुक्रवार की शाम को घर से हंडिया बाजार में सब्जी लेने के लिए निकला था देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन उसे खोजने लगे लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। मोबाइल भी स्विच ऑफ बता रहा था। सुबह ग्रामीणों ने सूचना दी कि आरव की मोटरसाइकिल गांव में स्थित तालाब के पास खड़ी है परिजन भागे भागे वहां पर पहुंचे इसके साथ ही तत्काल ही परिजनों द्वारा हंडिया पुलिस को सूचना दी गई ।सूचना के आधार पर कोतवाल हंडिया बृजेश सिंह मय फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे। घटना की जानकारी लेने के साथ ही साथ परिजनों की तहरीर के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खोजबीन शुरू कर दी । वहीं घटनास्थल पर ग्रामीणों की काफी भीड़ जमा हो गई। बता दें कि आरव यादव प्राथमिक विद्यालय चक नंदू के प्रधानाध्यापक जटाशंकर यादव का भतीजा है। आरव यादव इंजीनियरिंग का छात्र है।

विकास खंड करछना : ग्राम पंचायत रोकडी में शौचालय जमीन से गायब, डीएम से शिकायत

अखंड भारत संदेश

पात्रों का पैसा ग्राम प्रधान पर हड़पने का आरोप, डीएम ने दिए जांच का आदेश

शौचालय निर्माण में गडबडी का डी एम से शिकायत करते लोग

करछना। विकास खंड करछना ग्राम पंचायत रोकडी में वित्तय वर्ष करायें गयें शौचालय निर्माण में ब्यापक पैमाने पर निर्माण कार्य में अनियमितता बरते जाने का ग्रामीणो ने गांव के प्रधान को आरोपित किया है कि उनके गांव में शौचालय बनाने के लिए गांव का प्रधान पात्रों के खाते में शौचालय की राशि न डाल कर स्वयम शौचालय का निर्माण कराने के नाम पर बडी संख्या में लाभार्थियों का शौचालय का निर्माण कार्य नहीं कराया है, और ब्लाक कार्यालय में 301 शौचालय बनाए जाने की झूठी रिपोर्ट दिखा कर शौचालय की धनराशि आहरित कर लिया है ।ग्रामीणो ने डीएम से शिकायत में आरोपित किया है कि दो दर्जन से अधिक लोगों का शौचालय का निर्माण कराया ही नहीं है पैसा आहरित कर लिया गया है ।और जो निर्मण कार्य कराया भी गया है वह अधूरा कार्य पडा है। शिकायत कर्ताओ में मॉ सेवा संस्थान रोकडी के अध्यक्ष विनायक पंडित के नेतृत्व में गांव के बड़ी संख्या में पात्र गृहिणियों सहित दर्जनो लोग शामिल रहे, मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला अधिकारी संजय खत्री ने समबन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए जांच के आदेश दिए हैं ।

तेज धारा से एक मोटरसाइकिल एक साइकिल बह गई

सोनवय पुलिया पार कर रहे युवक की तेज धारा में मोटरसाइकिल बही

लालापुर। क्षेत्र के सोनवय पुलिया से पार कर रहे मंटू सिंह पिता मुखदेव सिंह नैनी आनंद नगर गली नंबर1 का रहने वाला था जोअपने ससुराल भिलोर जा रहा था रास्ते में सोनवय पुलिया के पास तेज धारा में मोटर साइकिल बह गई साथ में साला अंकित भी था। गाड़ी और पन्ना लाल की साइकिल बाह गई जो बैरागिया गांव का रहने वाला था किसी काम से लालापुर आ रहा ।

महिला सशक्तिकरण का कार्यक्रम सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

महिला सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत जानकारी देते अधिकारी

जसरा। जितेंद्र गौड़ ग्राम विकास अधिकारी द्वारा उपस्थित महिलाओं को बताया गया केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत महिलाओं को समूह में संगठित कर उन्हें रिवाल्विंग फंड सीआईएफ एवं सीसीएल के माध्यम से आर्थिक सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त किया जा रहा है समूह की महिलाओं को सामुदायिक शौचालय संचालन का दायित्व, मनरेगा योजना अंतर्गतोइँ के रूप में दायित्व एवं समूह की महिलाओं को राशन की दुकान का आवंटन कर उन्हें सशक्त किया जा रहा है इन कार्यों से जहां एक तरफ सारी योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है वहीं दूसरी तरफ वह आर्थिक रूप से भी मजबूत हो रही हैं यदि महिलाएं पूर्ण मनोयोग से कार्य करें एक तरफ उनके परिवार का आर्थिक सामाजिक स्तर बढ़ेगा दूसरी तरफ ग्राम स्तर ब्लॉक स्तर जनपद स्तर प्रदेश स्तर एवं संपूर्ण भारत के विकास को और बल मिलेगा।

जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही क्षम्य नहीं : डीएम

169 शिकायतों में मिला पत्र 12 शिकायतों का मौके पर किया गया निस्तारण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शनिवार को करछना तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस के अवसर पर शिकायतों को सुनते हुए जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक, समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ तो किया ही जाये साथ ही साथ शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता को संतुष्ट भी होना चाहिए। उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में कोविड-19 के मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

इस अवसर पर कुल 169 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें राजस्व विभाग की 112 पुलिस विभाग की 17 एवं अन्य की 40 शिकायतें दर्ज करायी गयी, जिसमें से 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आज ही अपने विभागों से सम्बंधित शिकायती प्रार्थना पत्रों को प्राप्त करते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये है।

उन्होंने सचेत करते हुए कहा है कि प्रत्येक दशा में शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर लालती देवी पत्नी स्व0 हरिश्चन्द्र निवासी ग्राम हरिवना परगना अरैल तहसील करछना के द्वारा अपने सास-ससुर पर खेत व मकान में हिस्सा न दिये जाने व घर से बाहर निकाले जाने की शिकायत किये जाने पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी करछना को मौके पर जाकर प्रकरण की जांच करने एवं जांच की आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इसी तरह से सिद्धांत यादव पुत्र श्री राजेश यादव निवासी जवाहर नगर नैनी ने सरकारी बंजर जमीन व नाले पर गलत तरीके से कब्जा करने की शिकायत की किये जाने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार करछना को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। रामशंकर मिश्र पुत्र स्व0 राज नारायण मिश्र ग्राम अम्बा तहसील करछना ने शिकायत की कि प्रधानमंत्री सम्मान निधि की किश्त किसी कारण से रोक दी गयी है जबकि उनके द्वारा सभी आवश्यक प्रपत्र जमा किये गये है, इस पर जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी को मामले की जांच कर प्रकरण को शीघ्र निपटाने का निर्देश दिया है। उमेश चन्द्र तिवारी निवासी भद्रताली पो0 धरवारा तहसील करछना ने गांव को जोड़ने वाली लिंक रोड बहुत समय से कच्ची होने की शिकायत की, जिसपर जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी के सम्बंधित अधिकारी को मामले का संज्ञान लेकर जल्द से जल्द सड़क को पक्की कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, एसडीएम करछना श्री विनोद कुमार पाण्डेय सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बारा
विकास खण्ड जसरा, प्रयागराज
अल्पकालीन निविदा 2021–22

पत्रांक मेमो : मनरेगा/राज्य वित्त/2021–22

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनान्तर्गत वर्ष 2021–22 मे प्रस्तावित निम्नलिखित कार्यो हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत एवं अधिकृत विक्रेता से दिनांक 20.08.2021 से 22.08.2021 तक सायं 4 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। दिनांक 22.08.2021 को सायंकाल 4.30 पर निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदादाताओं एवं प्रतिनिधओं के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	योजना/मद	ग्राम पंचायत	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा मूल्य (रू0में)	धरोहर राशि	आपूर्ति /कार्य अवधि
1	रामलाल कुशवाहा के घर से राम सिंह यादव के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	3.00	500	16000	15 दिन
2	मुकुन्दी के घर से सुखलाल के घर तक इंटरलाकिंग व नाली निर्माण	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	3.00	500	6000	15 दिन
3	मुरली शर्मा के घर से देवी शर्मा के घर तक इंटरलाकिंग व नाली निर्माण	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	3.00	500	6000	15 दिन
4	बारा थाने के सामने काली सड़क से हाइवे कमलेश के घर तक इंटरलांकिग कार्य	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	3.00	500	6000	15 दिन
5	शौचालय की रंगाई पुताई कार्य	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	1.00	500	2000	15 दिन
6	गौहानी रोड से कमलेश के घर तक पक्की नाली निर्माण	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	2.00	500	4000	15 दिन
7	नवी के घर से होलिका तक पक्की नाली निर्माण	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	2.00	500	4000	15 दिन
8	मस्जिद के पास से कार्तिका घार तक पक्की नाली निर्माण	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	2.25	500	4500	15 दिन
9	पप्पू केसरवानी के घर से शहजादे के घर तक पक्की नाली निर्माण	मनरेगा/रा0वि0 /15वां वित्त	बारा	3.25	500	7000	15 दिन

सामान्य शर्तें: 1. कार्य की सम्पूर्ण जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय से ली जा सकती है। 2. निविदादाता / कोटेशनदाता को समस्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जी.एस.टी. नम्बर के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र निविदा कोटेशन के साथ संलग्न करना होगा। 3. निविदा धरोहर राशि 2 प्रतिशत जमानत के रूप एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जमा करना होगा। 4. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय दिनांक 22.08.2021 तक पूर्वान्ह् 12 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। 5. किसी निविदा/कोटेशन को निरस्त करने सर्वाधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा। 6. सभी कार्यो के लिए अलग–अलग निविदा /कोटेशन स्वीकार की जायेगी। 7. सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी।

नोट: निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय बारा से प्राप्त की जा सकती है एवं ग्राम पंचायत कार्यालय बारा में समस्त निविदायें भी खोली जायेगी।

संतोष जायसवाल
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत बारा
विकास खण्ड जसरा, प्रयागराज

अंशुमान सिंह यादव
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत बारा
विकास खण्ड जसरा, प्रयागराज

रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर बाजार में रही रौनक

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। भाई-बहन के पावन त्यौहार रक्षाबंधन को लेकर एक महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया जिसके बदौलत बाजारों में बहुत दिनों बाद रौनक दिखी । वहीं महिलाओं की भीड़ मिष्ठान की दुकान, कपड़े की दुकान, सोने चांदी के आभूषणों की दुकान, कॉस्मेटिक की दुकान, एवं राखी से सजी दुकानों पर दिखी' रक्षाबंधन के त्यौहार का इंतजार महिलाओं एवं लड़कियों को पूरे साल भर रहा करता है' धार्मिक पर्व रक्षाबंधन के बारे में श्री सुमित कृष्ण जी महाराज ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सर्वप्रथम देवी लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांध कर अपना भाई बना लिया था । यह पावन त्यौहार हर वर्ष सावन माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है । सर्वप्रथम महिला एवं लड़कियां अपने भाई की कलाई पर राखी बांधे तत्पश्चात पुरुष एवं लड़के बहनों के पैर को स्पर्श करें' इस वर्ष बहुत ही शुभ महा संयोग बन रहा है जो कि 50 वर्ष पहले बना था । ऐसे में इस वर्ष रक्षाबंधन का महत्व अतुलनीय है ' इसी क्रम में रक्षाबंधन त्यौहार को देखते हुए थानाध्यक्ष खीरी राजेश कुमार मौर्या द्वारा थाना अंतर्गत सभी प्रमुख बाजारों में महिला कांस्टेबल की नियुक्ति की गई थी जिससे महिलाओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना ना करना पड़े । एवं स्वयं पुलिस टीम के साथ गस्त करते रहे और यातायात को सुगम बनाने में लगे रहे । थानाध्यक्ष के साथ अमरेश सिंह, त्रिवेंद्र सिंह, अशोक यादव, प्रीति रानी ,वर्षा मिश्रा आदि के अलावा अन्य महिला कांस्टेबल उपस्थित रहीं ।

राखी के साथ दिया मास्क व सैनिटाइजर

भाई बहनों के पवित्र पर्व रक्षाबंधन पर इस बार एक नया ट्रेंड देखने को मिला। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए बहनों ने भाई को मास्क व सैनिटाइजर देकर कोरोना टीकाकरण करवाने को कहा। वहीं भाइयों ने भी बहन की रक्षा करने का संकल्प लिया। सिठौली गांव निवासी अमर बहादुर को मुंबई में रहने वाली उनकी बहन ने आन लाइन शापिंग के माध्यम से राखी के साथ मास्क व सैनिटाइजर भेजा तो अमर बहादुर ने भी बहन को आजीवन प्रेम बनाए रखने का वचन दिया।

दुकान पर न जाकर घर पर ही बनाया मिष्ठान

रक्षाबंधन पर्व पर भाई की कलाई पर राखी बांधने जा रही वीरकाजी की निर्मला सिंह ने घर पर ही भाई के लिए मिठाई बनाई। उन्होंने बताया कि मेरा इकलौता भाई है इसलिए बहुत मिठाई की जरूरत नहीं थी।

मिष्ठान बिक्री में नहीं आई गिरावट

कोरोना के कारण साप्ताहिक बंदी से परेशान दुकानदारों को रक्षाबंधन पर अच्छी आमदनी की उम्मीद न थी। परन्तु कोरोना की धीमी पड़ी रफ्तार के कारण लोगों ने जमकर खरीदारी की। वहीं शासन द्वारा साप्ताहिक बंदी खत्म करने से ग्राहक और भी आश्वस्त दिखें। बाबूगंज के मिष्ठान विक्रेता भोला जायसवाल ने बताया कि अन्य वर्षों की अपेक्षा इस बार के रक्षाबंधन पर्व पर बिक्री ठीक है।

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने पहुंची बहने

फूलपुर। भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन इस बार बहनों के लिए अनेक खुशियां लेकर आया।कोरोना की घटती संक्रमण दर को देखते हुए शासन ने जहां रविवार की साप्ताहिक बंदी खत्म कर दी वहीं परिवहन विभाग की बसों में निशुल्क यात्रा के साथ पूर्णिमा के दिन अद्भुत संयोग के बीच भाई को राखी बांधने की खुशी उनमें साफ दिख रही थी। शनिवार को राखी वह मिठाई की खरीददारी जोरों पर चलती रही जिसकी वजह से बाजार देर शाम तक गुलजार रहे।कोविड नियमों का उल्लघंन न हो इसके लिए कुछ बहनें बाजार में मिठाई व राखी के साथ मास्क भी खरीदती दिखाई पड़ी। क्षेत्र के फूलपुर, बाबूगंज, व इफको के बाजारों में राखी खरीदने वालों की भारी भीड़ जमा रही। मिष्ठान व्यवसायी, नीरज जायसवाल व सुरेश जायसवाल ने बताया की पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष मिठाई की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है।

प्रतापगढ़ संदेश

हाईवे पर पक्का नाला धंसने से पाइप लाइन टूटी

प्रतापगढ़। वर्षा के कारण प्रयागराज-अयोध्या राजमार्ग पर करबला के निकट एक पक्का नाला बैठ जाने से नीचे से गई पेयजल की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे सदर बाजार, पड़ाव वार्ड की जलापूर्ति ठप हो गई।

इसकी सूचना मिलने पर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह तथा जल कल विभाग के लोग वहां पहुंचे। वहां जेसीबी की सहायता से क्षतिग्रस्त नाले का मलबा हटाकर पाइप लाइन को दुरुस्त करने में नगर पालिका का जलकल विभाग देर शाम तक डटा रहा। नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी ने कहा कि पाइप लाइन को ठीक करने के बाद ही क्षतिग्रस्त नाले की मरम्मत होगी। समाचार लिखे जाने तक पाइप लाइन को दुरुस्त करने का कार्य जारी रहा।

सदर बाजार व पड़ाव वार्ड में पेयजल प्रभावित

जाम पुलिया को खोलने की लगी नाला क्लीनिंग मशीन

प्रतापगढ़। नगर में हाईवे पर कपूर चौराहे पर पुलिया जाम होने से चौक, बेगम वार्ड, पड़ाव वार्ड का पानी का बहाव रुक गया था जिस पर शनिवार को नगर पालिका ने नाला क्लीनिंग मशीन व नाला गैंग लगाकर साफ कराया, तब जाकर जाम पुलिया साफ हो सकी और पानी का बहाव चालू हुआ। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि रात में हुई बारिश के बाद सुबह जब जल निकासी की व्यवस्था रुक गई तो नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह व ईओ मुदित सिंह के निर्देशन पर पुलिया की नाला क्लीनिंग मशीन व नाला गैंग लगाया गया तो सफाई में बांस आदि मिले हैं। अनुमान है कि मकान निर्माण से बचे बांस-बल्ली से पुलिया को भांट दिया गया था। बहरहाल नगर की त्वरित कार्यवाही से जलबहाव चालू हो गया।

जनसेवा केन्द्र में तमंचे की नोंक पर चालीस हजार की लूट

लालगंज, प्रतापगढ़। बदमाशों ने जनसेवा केंद्र से दिनदहाड़े चालीस हजार की दुस्साहसिक लूट की घटना को अंजाम दिया। लालगंज कोतवाली के घुइसरनाथ हाइवे पर अमावां बाजार मे आदर्श कुमार पाण्डेय सहज जनसेवा केंद्र का संचालन करते है। शनिवार को दिन मे करीब दो बजे बाइक सवार तीन युवक सहज जनसेवा केंद्र पहुंचे। इनमे से दो युवको ने आधारकार्ड दिखाकर रूपये निकालने की संचालक से बात कही। इस बीच अचानक युवकों ने तमंचे की नोंक पर चालीस हजार रूपये वहां से लूटकर भाग निकले। बदमाशो ने जनसेवा केंद्र पर मौजूद आदर्श को दुकान के अंदर बंद कर दिया। आदर्श के शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हो गये। दिनदहाडे लूट की जानकारी होते ही बाजार मे अफरातफरी मच गयी। सूचना मिलते ही कोतवाल रणजीत सिंह भदौरिया फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की छानबीन की। घटना को लेकर बाजार के रामअंजोर पाण्डेय के पुत्र अभयराज पाण्डेय ने पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल रणजीत सिंह भदौरिया का कहना है, केस दर्ज कर घटना का खुलासा किया जाएगा। इधर समाधान दिवस मे मौजूद एएसपी रोहित मिश्र को घटना की जानकारी हुई तो सीओ जगमोहन व कोतवाल रणजीत सिंह भदौरिया को तलब कर शीघ्र खुलासे के कडे निर्देश दिये।

मिशन शक्ति अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य हेतु 75 महिलाओं को किया गया सम्मानित

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री द्वारा मिशन शक्ति फेज-3 का शुभारम्भ वर्चुअल किया गया जिसका सजीव प्रसारण तुलसी सदन (हादीहाल) में विधायक सदर राजकुमार पाल, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) शत्रोहन वैश्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित महिलालाओं, बेटियों, बहनों द्वारा देखा गया। मिशन शक्ति अभियान के अवसर पर जनपद में विभिन्न विभागों/क्षेत्रों में क्रमशः पुलिस विभाग, डूडा, युवा कल्याण, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, बाल विकास, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 75 महिलाओं को उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सदर राजकुमार पाल द्वारा नारी सुरक्षा एवं नारी सशक्तिकरण हेतु जिम्मेदारी की शपथ भी दिलायी गयी। जनपद पुलिस विभाग की ओर से महिला मिशन शक्ति वैन को उपस्थित अतिथि द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में विधायक सदर राजकुमार पाल ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं सम्मान हेतु मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत महिलायें एवं बालिकायें विभिन्न क्षेत्रों उत्कृष्ट कार्य कर अपने देश का नाम रोशन कर रही है। इस मौके पर डीएम व एसपी ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान जिले की 3500 बालिकाओं के खाते में कन्या सुमंगला योजना के तहत धनराशि भेजी गई।

कन्या सुमंगला योजना के तहत 3500 बालिकाओं के खाते में भेजी गयी धनराशि

जमीनी विवाद में युवक की गोलीमार कर हत्या

प्रतापगढ़। मानधाता कोतवाली क्षेत्र के पवारपुर गांव में जमीनी विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इस दौरान दबंगों ने जमकर मारपीट और फायरिंग की। फायरिंग व मारपीट में कई लोग घायल हुए हैं। बता दें कि जमीन की नाप को लेकर बवाल हुआ था। मामले की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दबंगों की तलाश कर रही है।

चोरी की बाइक बेचने आये युवक धराया

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगज थाना क्षेत्र के आलापुर में चोरी की बाइक बेच रहे युवक को ग्रामीणों की मदद से नवाबगंज पुलिस ने पकड कर ले गई। मालूम हो कि पड़ोसी जनपद रायबरेली अंतर्गत ऊंचाहार थाना क्षेत्र के बहादुरगंज के रहने वाले बृजेश पुत्र रामफेर शनिवार की सुबह नवाबगंज थाना क्षेत्र के आलापुर चौराहा पर एक स्प्लेंडर बाइक बेच रहा था जिस पर लोगों को कुछ शंका हुई और पूछताछ करना शुरू किया तो बृजेश हड़बड़ा गया। लोगों की शंका और पुख्ता हो गई जिसकी जानकारी नवाबगंज पुलिस को दी। मौके पर पहुची नवाबगंज पुलिस युवक व बाइक को थाने ले गई जांच-पड़ताल के दौरान पता चला कि यह बाइक ऊंचाहार के अभिषेक मौर्य की है जिन्होंने शनिवार की सुबह ऊंचाहार थाने में घर से अपनी बाइक चोरी होने की सूचना दी थी वही ऊंचाहार पुलिस को सूचना मिलते ही ऊंचाहार पुलिस नवाबगंज थाने आई और आरोपी युवक व बाइक को लेकर ऊंचाहार ले गई।

भाजपा सरकार की कमजोरी से अर्न्तराष्ट्रीय पटल पर बनें है चिंतनीय हालात : प्रमोद तिवारी

विधायक मोना ने बेरोजगारी समेत असफलताओं पर किया प्रहार

लालगंज, प्रतापगढ़। कांग्रेस द्वारा गांव-गांव चलाए जा रहे जय भारत महासंपर्क अभियान के तहत कांग्रेसियो ने शनिवार को चौपाल के जरिए लोगों को पार्टी की नीतियो के प्रति जागरूक किया। विभिन्न गांवो मे कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा महासंपर्क अभियान मे घर-घर पार्टी के झण्डे व बैनर के साथ संपर्क कर केंद्र और राज्य सरकार पर मंहगाई तथा कोरोना महामारी के नियंत्रण मे कुप्रबंधन एवं बिगडती कानून व्यवस्था तथा बेरोजगारी आदि मुददे पर भी असफलता को लेकर जनता के बीच संघर्ष की हुंकार भरी। शनिवार को नगर स्थित विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर जुटे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की अगुवाई मे सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी तथा सीएलपी नेता आराधना मिश्रा मोना के नेतृत्व मे पार्टी संगठन की मजबूती का भी संकल्प लिया। इधर शुक्रवार की शाम रामपुरखास के दौरे पर आये केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने खजुरी मे महा अभियान के तहत कहा कि आज केंद्र की भाजपा सरकार राष्ट्रीय तथा अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर भी विदेश नीति को लेकर भी भटकाव के रास्ते पर पर है। उन्होने हाल ही मे अफगानिस्तान मे तालिबान को लेकर सरकार पर लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब सबसे पहले भारत सरकार को वहां फंसे भारतीयो को सुरक्षित वापस लाने की सर्वोच्च पहल करनी चाहिये। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष केडी मिश्र तथा संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। इस दौरान सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बब्लू, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पेट्रोल पम्प पर मिला केमिकल, चार पम्प कर्मी गिरफ्तार

प्रयागराज एसटीएफ ने की कार्यवाही

प्रतापगढ़। पेट्रोल पम्पों पर नकली और मिलावटी तेल का धंधा बेल्हा में भी चल पड़ा है। पेट्रोल व डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में पेट्रोल पम्प मालिकों द्वारा इस तरीके से नागरिकों को ठगने का कार्य किया जा रहा है और यहां के अधिकारी आंख बंद किये रहते हैं। क्या प्रतापगढ़ के अधिकारी इसकी छापेमारी नहीं कर सकते थे प्रयागराज की एसटीएफ की छापेमारी के बाद जिला प्रशासन के लोग जागे हैं और शहर के करीब अधिकारियों के नाक के नीचे पेट्रोल पम्प पर इस तरीके से धांधली का पर्दाफाश एसटीएफ के प्रयास से हुआ हैं। उसके सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं।

एसटीएफ प्रयागराज व नगर कोतवाली की टीम द्वारा बीती रात छापा मारकर नगर कोतवाली के गोपालपुर गांव के पास एस्सार के तिलका पेट्रोल पंप पर एक टैंकर नकली केमिकल बरामद हुआ। इस दौरान ड्राइवर समेत पंप के कर्मचारी सहित चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। बता दें कि ये लोगे केमिकल को पेट्रोल के रूप में बेचते थे। एसटीएफ के इंस्पेक्टर अतुल सिंह की टीम ने की यह कार्यवाही की है। बड़ा सवाल पंप का लाइसेंस निरस्त होने के बावजूद कैसे चल रहा था पेट्रोल पंप आखिर क्यों पूर्ति विभाग के जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। आरोप है कि अभी सप्ताह भर पहले इस पंप मालिक के शहर में स्थित दूसरे पेट्रोल पंप पर भी एक टैंकर नकली तेल उतरा था।

डा. अनुराग शुक्ल का शिक्षकों ने किया भव्य स्वागत

परियावां, प्रतापगढ़। मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कालाकाँकर के संस्कृत विभागाध्यक्ष डा0 अनुराग शुक्ल ने उ0प्र0 उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्राचार्य पद की परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर महाविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 सूर्यभान सिंह ने इसे पूरे महाविद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया और डा0 शुक्ल के परिश्रम और लगन की भूरि भूरि प्रशंसा किया। कालाकाँकर राजभवन के युवराज भुवन्यु सिंह ने डा0 शुक्ल से मिलकर उन्हें इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा कि इससे कालाकाँकर का गौरव पूरे प्रदेश मे बढ़ा है। कालाकाँकर राजभवन के मैनेजर डा0 घनश्याम यादव ने डा0 शुक्ल की इस उपलब्धि को पूरे महाविद्यालय की उपलब्धि बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रॉक्टर डा0 इन्दुरेखा सिंह, डा0 प्रदीप कुमार सिंह, डा0 रामकरन, डा0 विनीता सिंह, सर्वेश कुमार सिंह, डा0 उमेश मिश्र, डा0 हवलदार यादव आदि शिक्षकगण मौजूद रहे।

मिठाई की दुकानों पर महिलाओं की रही भीड़, बच्चों को भाई कार्टून राखी

प्रतापगढ़। रक्षाबंधन के त्योहार पर राखी की दुकानों के साथ ही मिठाई की दुकानों पर भी शनिवार को भीड़ दिखाई दी। बता दें कि बहनें रक्षा बांधने के बाद भाईयों का मुंह मीठा कराती हैं। ज्यादातर बहनें आज राखी खरीदने के बाद मिठाई की दुकानों पर कुछ अलग ढंग की मिठाई खरीदना चाहती थीं।

नगर के प्रमुख मिठाई भण्डारों ने तरह-तरह की मिठाई बनाकर लोगों को आकर्षित कर रहे थे। सबसे महंगा काजू कटलेट 800 किलोग्राम था। इसके अलावा महिलाओं के पसंद की मोहनभोग, सैण्डविच, मलाई रोल, देसी पेड़ा, जयपुरिया पेठा व माल पुआ की बिक्री खूब हुई। शनिवार व रविवार का लाकडाउन हटने से भी आज बाजारों में भीड़ दिखाई दी। महिलाएं तो अपने भाईयों की कलाई सजाने के लिये तरह-तरह की राखियां खरीद रही थी लेकिन बच्चों को तो कार्टून राखी खूब पसंद आई और अपने माता-पिता से कार्टून राखी जिद करके खरीदा।

बीबीएफजी के बच्चों ने बनाई राखी, लगाया स्टाल

प्रतापगढ़। राखी पर धन के अभाव में किसी भी भाई की कलाई सूनी न रहने पाये इसके लिए बच्चों की शिक्षा में तत्पर बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी ने अनूठी पहल की है। जरुरतमंद और अनाथ बच्चों को फ्री में राखी वितरण का स्टाल लगा दिया, जिस पर राखी की लूट मच गई। देखते ही देखते सैकड़ों राखियां लोग ले गये। राखी पाकर छोटे बच्चे खुश हो गये। अभिभावकों ने ग्रुप के इस कार्य की सराहना की। कार्यशाला में संयोजक टीचर राजेश कुमार ने बच्चों को राखी बनाने का सारा सामान लाकर दे दिया था। ग्रुप के सहयोगी शनि सरोज ने बताया कि स्टाल का संचालन बच्चों ने अपने हाथों में ले रखा था। इस मौके पर हिमांशु, साहिल, खुशी, साहिबा, नीतेश, पायल, नैंसी, राजेश, अजय, विजय, ओबी समेत कई बच्चे स्टाल की देख रेख में लगे रहे। ग्रुप के सहयोगी अश्वनी केसरवानी, डाक्टर अनुराग मिश्रा,वीके तिवारी, मोहम्मद अनीस, राजकुमार, सतेंद्र मोडनवाल समेत कई अन्य का योगदान रहा।

कलाई पर सजेंगी समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित राखियॉ

परियावां, प्रतापगढ़। राज्य आजीविका मिशन एवं कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू की सहायता से विकास खण्ड कलाकांकर में लगभग 40 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। इन सभी समूहों ने कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी सहयोग से सभी समूह एक संघ का रूप ले लिया है।कृषि विज्ञान केन्द्र की गृह वैज्ञानिक स्वाती दीपक दुबे ने बताया कि रक्षा बन्धन के अवसर पर आनंद महिला स्वयं सहायता समूह ने राखी बनाई। राखी बनाने की कुल लागत 10000 रुपये है, जिसमें कच्चे माल, पैकेजिंग, विपणन और समूह के कुल खर्च को भी शामिल किया गया है। समूह ने राखी बेचकर 40000 प्राप्त किया।

स्वाट टीम व पुलिस ने पकड़ी 475 शीशी अवैध देशी शराब

पट्टी, प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के महुली गांव में स्वॉट टीम व पुलिस और आबकारी विभाग ने अवैध देशी शराब के 475 सीसी यूरिया अप मिश्रित नाजायज शराब कूट रचित रैपर लगा क्वार्टर के साथ एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया। एसपी के निर्देश पर अवैध शराब के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत स्वॉट टीम व पुलिस ने थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र के ग्राम महुली एक अर्ध निर्मित घर से अवैध शराब के खिलाफ छापामार कार्रवाई करते हुए दबिश देकर एक आरोपित को मौके से पकड़ लिया। उनके पास से 475 शीशी अवैध देशी शराब यूरिया अप मिश्रित नाजायज शराब कूट रचित रैपर लगा और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ में गिरफ्तार महिला ने अपना नाम आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के गांव महुली निवासी नरमा देवी पत्नी जियालाल बताया। उनके पास से बरामद मोटरसाइकिल को सीज किया गया और उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। टीम में स्वॉट टीम प्रभारी अमरनाथ राय अपने टीम सहित, एसओ नरेंद्र सिंह आसपुर देवसरा मय टीम व आबकारी निरिक्षक आनंद कुमार शुक्ला शामिल रहे।

झांसा देकर उड़ाये इक्यासी हजार

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने पीडित को झांसा देकर उसके खाते से इक्यासी हजार रूपये गड़प किये जाने को लेकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। राजातारा अमांवा के विजय शंकर तिवारी ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती ग्यारह जून को एक आरोपी ने अपने मोबाइल नंबर से उसे फोन कर झांसे मे लिया। आरोपी ने इसके बाद उसके खाते की जानकारी भी कर ली। आरोपी ने पीडित के खाते से इक्यासी हजार रूपये धोखाधडी कर निकाल लिया। पीडित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधडी तथा आईटी एक्ट का केस दर्ज किया है।

दोहरे हत्याकांड के दो और आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के सपहाछात गांव में शिव भोले व रविंन्द्र की हत्या दोनों का शव खेत में रक्त रंजित पाया गया था। घटना के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस मामले में पूछताछ में दो और आरोपियों का नाम प्रकाश में आया था जिनकी तलाश पुलिस को काफी दिनों से थी। इस मामले में पट्टी कोतवाल गणेश प्रसाद सिंह को मुखबिर खास ने सूचना दी कि हत्या के दो आरोपी जितेंद्र कुमार पुत्र मोतीलाल निवासी धौरहरा थाना चादा जनपद सुल्तानपुर, पवन कुमार पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मण प्रसाद निवासी पन्ना टिकरी थाना कोतवाली देहात सुल्तानपुर सैफ़ाबाद बाजार में मौजूद हैं।

मां बेल्हा देवी धाम में हुई गंगा आरती

प्रतापगढ़। माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता के साथ ही समाज के जागरण के क्रम में गँगा समग्र विभिन्न आयामों के माध्यम से गंगा औ उसकी सहायक नदियों के अविरल प्रवाह, निर्मलता के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक जागरण हेतु गँगा समग्र ,सतत प्रतापगढ़ में माँ गंगा समग्र द्वारा मां बेल्हा देवी धाम पर पावन सई नदी के तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन गंगा समग्र के जिला संयोजक प्रभात मिश्र के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर गंगा समग्र के आरती प्रमुख राम उजागिर मिश्र ने कहा कि प्रतापगढ़ में अब सई नदी की आरती पाक्षिक होगी जो पहले और तीसरे शुक्रवार को मा बेल्हा देवी धाम पर होगी। गंगा समग्र के जिला संयोजक प्रभात मिश्र ने श्रद्धालुओं से अपील किया कि पॉलीथिन का प्रयोग बंद करें। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह डॉ सौरभ पांडेय, विनय सिंह, जबर सिंह, प्रदीप विश्वकर्मा, अशोक शुक्ल, अलकेश मिश्र, विजय पाण्डेय, शीतांशु ओझा, प्रभा शंकर पांडेय जिला प्रचार प्रमुख, सुरेंद्र पांडेय, राजेश मिश्र आदि लोग मौजूद रहे।

भाई बहन के रिश्तों का पवित्र पर्व है रक्षाबंधन : भाष्कर

भाजपा विधायक ने कहा बहनों का मान सम्मान और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

अखंड भारत संदेश

घोसिया/भदोही। औराई क्षेत्र अन्तर्गत भारतीय जनता पार्टी कार्यालय त्रिलोकपुर में विधायक दीनानाथ भाष्कर द्वारा रक्षाबन्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गौरतलब हो कि जनपद में इन दिनों औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर जनता के बीच में सबसे लोकप्रिय जाने.माने जाते हैं। वह चाहे किसी भी अमीर या गरीब के घर कोई दुःख या सुख हो सभी में शामिल होकर एक मिशाल कायम कर दिए हैं। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी कार्यालय त्रिलोकपुर में रक्षाबन्धन के एक दिन पूर्व रेनू पाण्डेय सपना दूबे संगीता खन्ना सुषमा मालवीय रीता बिन्द शीला दूबे अनीता गौंड़ रेखा वर्मा मुस्कान देबी गुप्ता सहित दर्जनों बहनों ने पहुंचकर विधायक दीनानाथ भाष्कर के कलाई में रक्षा बांधकर

भाई.बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ किया। इस दौरान विधायक भाष्कर ने सभी बहनों को उपहार देकर सम्मानित किया। कहा कि रक्षाबन्धन का त्योहार भाई एवं बहनों के रिश्ते का प्रतीक है। प्रधानमंत्री के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से महिलाओं का एक नया दौर शुरू हुआ है। जिससे महिलाओं में सशक्तिकरण की एक नई ऊर्जा मिली है। इस अवसर पर राजेन्द्र दुबे चून्नू दुबे प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी रीता अवस्थी डब्बू सिंह एडवोकेट राजेश सरोज सहित दर्जनों महिला व पुरूष शामिल रहे।

संगठन की मजबूती को लेकर हुआ मंथन

गोपीगंज। दिन शनिवार को बाबा बड़े शिव पर नाई समाज आल इंडिया एमसीईए की एक बैठक संगठन के हित में कार्य करें कार्यकर्ता का संकल्प लिया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंडल प्रभारी इंद्रजीत शर्मा ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से संगठन के हित में कार्य करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में हमें कार्य करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम आज अपने समाज को क्या दे रहे है आज हमारे समाज के लोग प्रताड़ित किए जा रहे है शिक्षा प्राप्त करने के बाद नौकरी नहीं पा रहे है हम उपेक्षित है इसलिए हमे अपने समाज को संगठित करना उद्देश्य है। कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती पर बल देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकाधिक लोगों को जोड़कर ही संगठन को मजबूत किया जा सकता है। मौके पर साधु शर्मा समर बहादुर शर्मा ब्रह्मदेव शर्मा राम कुमार शर्मा डॉक्टर नंदलाल शर्मा कमला शंकर शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

भाइयों एवं बहनों के स्नेह का पवित्र पर्व रक्षाबन्धन आज

क्रासर.पौराणिक मान्यताओं व गाथाओं को समेटे हुआ है यह पर्व

अखंड भारत संदेश

कांवल/भदोही। बहनों और भाइयों के स्नेह से परिपक्व रक्षाबन्धन का पर्व आज है। श्रावण मास की पूर्णिमा को श्रावणी या रक्षाबंधन कहा जाता है। रक्षाबंधन के पर्व को विजय पर्व के भी नाम से जाना जाता है। रक्षाबंधन का पर्व भाइयों एवं बहनों के पारस्परिक प्रेम व अटूट विश्वास का पर्व है। रक्षाबंधन का पर्व प्राचीनकाल से ही मनाने की परम्परा है। जिसका पालन आज भी हो रहा है। रक्षा बंधन के अवसर पर बहन अपना सम्पूर्ण प्यार रक्षा ;राखी द्ध के रूप में अपने भाई की कलाई पर बांध कर उड़ेल देती है। भाई इस अवसर पर कुछ उपहार देकर भविष्य में संकट के समय सहायता देने का बचन देता है। यह पर्व प्राचीनकाल से मनाने की परम्परा है। इसके पीछे पौराणिक कारण भी है। इस सम्बन्ध में बताया जाता है कि राखी का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तब दानव हावी होते नज आने लगे। इन्द्र घबड़ाकर बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी।

उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बाँध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बाँधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धनए शक्तिए हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। इस पर्व की प्राचीनता के बारें में बताया कि एक बार बलि रसातल में चला गया। तब बलि ने अपनी भक्ति के बल से भगवान को रात.दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान बलि को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है।

रोजगार के लिए मिलेगा ऋण

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का क्रियान्वयन उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बार्ड द्वारा किया जा रहा है। उक्त योजनान्तर्गत अधिकतम रू0 25 लाख तक का ऋण बैंक के माध्यम से उद्यम की स्थापना हेतु किया जाता है। योजना में सामान्य वर्ग के पुरूष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट काष्ट का 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग तथा महिला उद्यमियों को प्रोजेक्ट कास्ट का 35 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा अनुमन्य है। योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की वित्त पोषित इकाईयों को अधिकतम 13 प्रतिशत ब्याज उपादान की सुविधा तीन वर्ष तक दिये जाने का प्राविधान है। योजनान्तर्गत आनलाईन आवेदन की अनुमन्य है तथा कोई भी आवेदक की वेबसाइड पर जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकता है तथा वेबसाइट पर योजना के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध है। उक्त योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में उद्यम की स्थापना हेतु इच्छुक उद्यमी लाभार्थी से आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कार्यालय प्रोफेसर कालोनी ज्ञानपुर जनपद भदोही से सम्पर्क कर सकते है।

कृषि यंत्रो पर मिल रहा है अनुदान

ज्ञानपुर। उप कृषि निदेशक अरविन्द कुमार सिंह ने बताया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा कृषकों की आय दोगुनी करने के क्रम में कृषि विभाग द्वारा कृषकों को अनुदान के रूप में कृषि यंत्रीकरण योजना में हैरो कल्टीवेटर मिनी राईस मिल पावर टिलर लेजर लैण्ड लेबलर मल्टीक्राप थ्रेशर पावर चैप कटर ट्रैक्टर माउण्टेड स्प्रेयर डिस्क प्लाऊ आयल मिल विद् फिल्टर प्रेस रोटावेटर स्ट्रा रिपर पैकिंग मशीन आलू खोदाई मशीन डीजल पम्प सेट सीड कम फर्टीड्रील हेतु 23 अगस्त को सायं 3 बजें से एक थ्रेसिंग फ्लोर स्माल गोदाम एवं कस्टम हायरिंग की स्थापना 25 अगस्त को सायं 3 बजे से पोर्टल पर यंत्र अनुदान हेतु लिंक पर क्लिक कर टोकन निकालें। आन लाईन टोकन प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त पर निर्धारित लक्ष्यों की सीमा तक जनरेट कर सकते हैं। टोकन जनरेट करते समय कृषक अपना मोबाइल नम्बर डालें। अतः जनपद के किसान भाईयों से अपील है कि कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त करने हेतु उक्त बेवसाइड तिथि समय पर टोकन निकालें जिससे यंत्रों पर अनुदान प्राप्त कर सकें।

सरकार चलाने में पूरी तरह से विफल साबित हुए हैं सीएम : आरिफ

सपा का बूथ पर यूथ संगठन विस्तार एवं समीक्षा कार्यक्रम हुआ आयोजित

अखंड भारत संदेश

भदोही। नगर के जमुनीपुर स्थित सपा के वरिष्ठ नेता शोभनाथ यादव के आवास पर शनिवार को एक बूथ पर यूथए संगठन विस्तार एवं समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुलायम सिंह यादव युथ ब्रिगेड के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी विपिन मिश्रा मौजूद रहे। इस अवसर पर विपिन मिश्रा ने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक है। इसको देखते हुए पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता हर बूथ पर जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो गई है और उनका मतदाता सूची में नाम नहीं है। उनका नाम मतदाता सूची में जोड़वाने का काम करें। उन्होंने कहा कि जितना अधिक नाम मतदाता सूची में जोड़वाने का काम करेंगे। उसका फायदा विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को मिलेगा। विशिष्ट अतिथि समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मो आरिफ सिद्दीकी ने कहा कि जनता में भाजपा सरकार को लेकर गुस्सा है। क्योंकि भाजपा सरकार ने अपने साढे चार साल के कार्यकाल में

कोई भी विकास कार्य नहीं किया। इस सरकार में कानून व्यवस्था बद से बद्तर है। आएं दिन महिलाओं के साथ अत्याचार वह छेड़खानी की घटनाए आम हो गई है। सरकार द्वारा कोई भी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित नहीं की जा रही है। जिससे की गरीब जनता लाभान्वित हो सकें। इस सरकार में नौकरी की हालत बेहद खराब है। नौकरी मांगने पर सरकार द्वारा बेरोजगारों के उपर लाठियां बरसाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी सरकार द्वारा इस तरह से महंगाई बढ़ा दी गई है कि उससे आम आदमी को अपने परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। डीजलए पेट्रोलए सरसों का तेलए दाल सभी महंगे हो गए हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार चलाने में पूरी तरह से विफल साबित हुए हैं। श्री सिद्धिकी ने सभी से भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। इस मौके पर मुन्ना यादव मयंक यादव बाबा बिंद प्रदीप यादव प्रमोद यादव सुरेश यादव संदीप मौर्य जितेंद्र राय आकाश यादव सुनील यादव जीवनाथ यादव शेषनाथ यादव जयनाथ यादव अमर बहादुर यादव जिलाजीत यादव ओमप्रकाश यादव रामाश्रय यादव आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शोभनाथ यादव ने की तथा संचालन संतोष यादव ने किया।

बैठक में सरकार की योजनाओ से कराया गया अवगत

अखंड भारत संदेश

भदोही। विकास खंड के पिपरिस ग्राम सभा के कटियारी गांव में रवीना भारती पत्नि मनोज गौतम की अध्यक्षता में समूह का बैठक किया गया। जिसमे पिपरिस ग्राम सभा की सभी समूह के महिलाएं उपस्थित रही। मुख्य अतिथि अभिषेक कुमार ने कहा कि इस समूह से सभी लोगों को सरकार की तरफ से बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रहे हैं। जिसमें आप सब सही लेनदेन कर समूह की पारदर्शिता को बनाएं रखने पर लाभ उठा सकती हैं। कोऑर्डिनेटर देवेंद्र दुबे ने कहा कि सरकार की तरफ से आरसेटी के माध्यम से तमाम प्रशिक्षण दिलाये जाते हैं। आप सब सरकार की योजनाओं के माध्यम से फॉर्म डाल कर हमारे यहां निशुल्क ट्रेनिंग प्रशिक्षण ले सकते हैं। ग्रामसभा पिपरिस की बीसी सखी रवीना भारती ने कहा कि ब्लॉक और बैंक से समन्वय बनाकर मैं सदैव बैंक और सरकार की योजना की सेवा ग्रामसभा वासियों को देती रहूंगी और जिनको भी बैंक संबंधित कोई समस्या उत्पन्न होगी उसका निदान कराऊंगी आई हुई सभी महिलाओं को धन्यवाद देती हूं। विनीत सिंह ने कहा कि सरकार की पेंशन योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री बीमा योजना अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं को हम सब कैंप के माध्यम से ग्रामसभा वासियों को अवगत कराते रहेंगे। इस दौरान ग्राम प्रधान हृदय नारायण सरोज रमाशंकर प्रजापति सूबेदार गौतम शशि कला यादव नगीना पाल निर्मला देवी आदि मौजूद रही।

अपराध और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है सरकार

अखंड भारत संदेश

भदोही। विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा संवरपुर में जय भारत महासम्पर्क अभियान के तहत चौहान बस्ती यादव बस्ती पटेल बस्ती विश्वकर्मा बस्ती गोंड बस्ती गुप्ता बस्ती ब्राह्मण बस्ती दलित बस्ती आदि बस्तीयों में घर घर पहुंचकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी महासचिव उत्तर प्रदेश प्रभारी श्रीमती प्रियंका गांधी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी व उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के आवाहन पर भदोही विधानसभा क्षेत्र के ग्रामसभा संवरपुर में जगह जगह प्रभात फेरी और घर घर जाकर सम्पर्क कर कांग्रेस पार्टी के नीतियों को लेकर

कांग्रेसजनों ने निकालीप्रभात फेरीकर

लोगों को जागरूक किया। कांग्रेस कमेटी भदोही के जिला महासचिव जजलाल राय ने कहा कि देश डिजिटलीकरण में आगे बढ़ रहा है और अपने समय में आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

बताया कि पंचायती राज व्यवस्थाए ग्रामीण विद्युतीकरण संचार क्रांति योजना समेत कई अन्य प्रमुख योजनाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार संभाल नहीं पा रही है। बेरोजगारी दूर करने का सपना दिखाने वाले जुमलेबाज अभी तक कोई ऐसी योजना सामने नहीं लाया कि गरीब मजदूरए किसान परिवारों को राहत मिल सके। राय ने कहा कि नोटबंदी कारखानों को बेचने महामारी के नाम पर महंगाई भ्रष्टाचार अपराध उत्पीड को बढ़ावा देकर उपलब्धि गिनाई जा रही है। कहा कि सरकार पूरी तरह से असफल हो चुकी है। साढे 4 वर्षों में कोई भी काम जमीन पर नहीं दिखा। सारे वादे खोखले साबित हुए। कांग्रेस ने 70 वर्षों में जो कुछ बनाया उसे यह भाजपा सरकार एक एक कर बेच रही है और इसे विकास कह कर अपनी पीठ थपथपा रही है। इस अवसर पर कमलेश कुमार ओमप्रकाश तिवारी नन्दलाल गोंड सुरेश चौहान सदानंद गुप्ता राजमणि यादव शिवशंकर विश्वकर्मा अंचल पटेल बाबूल पहलवान शीतला मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान को सरहांगों ने मारा पीटा, दिया जान से मारने की धमकी

थाना पुलिस स्टेशन कोरांव में दी गई रपट

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। ग्राम प्रधान पर जान लेवा हमले करने वालों के खिलाफ प्रधान ने तहरीर दी है।उल्लेखनीय है कि ग्राम प्रधान घूघा कोरांव श्रीमती सुशीला सिंह ने प्रधान पति और प्रतिनिधि श्याम सिंह पर ग्राम के ही एक असमाजिक तत्व राधिका सिंह पटेल ने गत दिवस अनावश्यक रूप से भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान लेवा हमला किया और बुरी तरह मारा पीटा। जिससे ग्राम प्रधानों में आ है। ग्राम प्रधान अल्हवा और मिस्कीन सेवा संस्थान ट्रस्ट के प्रबंधक शहजादे

पत्रकार ने पुलिस प्रशासन से प्रधान पति के ऊपर हमला कर मारने पीटने धमकियाने की निंदा की और आरोपी को गिरफ्तार कर कारवाई किए जाने की मांग की है।

अमृत महोत्सव के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र ने निकाली रैली

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शनिवार को भारत की स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेहरु युवा केंद्र प्रयागराज कार्यालय से चंद्रशेखर आजाद पार्क तक फिट इंडिया फ्रीडम रन का कार्यक्रम आयोजित किया गया । रैली में स्वयं सेवक, युवा मंडल , गंगा दूत, राष्ट्रीय कैडेट कोर और भारत स्काउट एंड गइड के सहयोग लगभग 100 युवाओं ने पूरी ऊर्जा के साथ भाग लिया त् सर्वप्रथम कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) एषा सिंह द्वारा किया गया त् इसके उपरांत लेफ्टिनेंट कर्नल पी पी दामोदरन ने उपस्थित सभी युवाओं को फ्रीडम रन की शपथ व राष्ट्रगान के साथ हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं

में फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए नित्य व्यायाम एवं शारीरिक फिटनेस पर विशेष ध्यान देना चाहिए जिससे जीवन आनंद में बन सके।नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी जागृति पंडे ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि युवाओं में फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए जन आंदोलन किया जा रहा है जिसमें योग, व्यायाम, खेल और शारीरिक गतिविधियां समाहित है। रैली के समापन समारोह में जनप्रतिनिधि माननीय सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल के द्वारा किया गया त् कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए उन्होंने सभी युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा की किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल-पल जुड़ा रहता है।फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है। इसलिए आज़ादी के 75 साल का ये अवसर एक अमृत की तरह वर्तमान पीढ़ी को प्राप्त होगा। कार्यक्रम में एनसीसी, युवा कल्याण एवं भारत स्काउट और गाइड संस्थाओ ने भी सहयोग दिया। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका में लेखा एवं कार्यक्रम सहायक अदनान उल्ला खान कमलेश नारायण दुबे ,असिस्टेंट स्टेट ऑर्गनाइज कमिश्नर, भारत स्काउट गाइड व प्रशिक्षक, एनसीसी के प्रशिक्षक एन वाई के राज्य प्रशिक्षक राम अवध कुशवाहा, चंद्र मणि मिश्रा महेश द्विवेदी रहे त् निर्मल कांत पांडे चंद्रकांत पांडे ,रोहित साहू, सुरेश पटेल ,उमाश्री मौर्य ,गीता पटेल, आकांक्षा की सहभागीता रही है।

अकीदत व सादगी से मनाया गया मोहर्रम

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र में मोहर्रम को दसवीं तारीख पर अकीदतमंद ताजियादारों ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए। सरकार के निर्देशानुसार नियमों का पालन करते हुए मातमी जुलूस नहीं निकलने का निर्णय लिया। पांच ताजियादारों ने मिलकर करबला पर जाकर हुसैन को याद करते हुए उनके याद में फूल को दफन किया। शुक्रवार को सहसों तथा क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के कारण सरकार द्वारा लगाई गई पाबंदी तथा कोविड-19का पालन करते हुए अकीकतमंद एवं ताजियादारों ने 5 लोग मिलकर कर्बला पर पहुंचकर हसन हुसैन को याद करते हुए उनकी याद में फूल को दफन किया। इसके मद्देनजर सावधानी बरतते हुए थाना प्रभारी सराय इनायत एवं चौकी प्रभारी सहसों ने अपने पुलिस बल के साथ क्षेत्र में हर जगह गस्त करते हुए नजर आए। वहीं क्षेत्र के विभिन्न गांवों- महरोड़ा, चकिया, वारी, बभनकुइयां, भोपतपुर, मीरापुर, शेख अहमद पुर, रामनगर, कांदी आदि गांव में कोविड-19 का पालन करते हुए लोगों ने सादगी के साथ मोहर्रम का त्यौहार मनाया।

झूम के बरसे बदरा, उमस और गर्मी से मिली राहत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इस बार के अगस्त में मौसम पूरी तरह मेहरबान है। शनिवार की दोपहर अचानक छाए बादलों ने झमाझम बारिश की। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिल गई। बारिश तेज होने से सड़कों से लेकर गलियों तक में पानी भर गया। इससे लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। बारिश तकरीबन दो घंटे से अधिक समय तक हुई। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक बारिश अभी लगातार होती रहेगी।

शनिवार की सुबह सूर्य देव ने दर्शन दिए। उसके बाद दोपहर एक बजे तक उनका बादलों के साथ लुकाछिपी होती रही लेकिन अचानक दक्षिणी पश्चिमी मानसून का दबाव बनने से शहर के आसमान पर बादलों का जमावड़ा हो गया।

बूंदाबांदी शुरू हो गई। थोड़ी देर तक मौसम का मिजाज ऐसे ही बना रहा लेकिन सवा दो बजे के बाद बादलों ने गरज-चमक के साथ बारिश करना शुरू कर दिया। सवा घंटे तक बूंदे टूटी नहीं और बारिश झमाझम हुई। इससे शहर कई इलाकों में जलभराव हो गया। जार्जटाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर, सोहबतियाबाग, रामबाग, करेली, राजापुर, ओमगायत्रीनगर, सलोरी, नखासकोहना, कोठापार्चा, कीडगंज, मुट्ठीगंज, शिवकुटी आदि मुहल्लों में पानी भर गया। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर, मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में अब तक 440 एमएम बारिश हो चुकी है। अकेले अगस्त में इतनी बारिश सालों बाद हुई है। यह अभी जारी रहेगी। मौसम विज्ञानी प्रो. एचएन मिश्रा ने बताया कि मघा नक्षत्र दो सितंबर तक है तब तक बारिश लगातार होती रहेगी।

सम्पादकीय

गिरफ्तारी की हदें

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर आगाह किया है कि गिरफ्तारी को एक रूटीन कार्रवाई का रूप नहीं देना चाहिए। इस बात का ख्याल रखा जाना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से उसकी प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को जबर्दस्त चोट पहुंचती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस किसी को गिरफ्तार कर सकती है, उसके पास इसका कानूनी अधिकार है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उसे हर आरोपी को गिरफ्तार कर ही लेना है। कानून के तहत एक अधिकार होना और उस अधिकार का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना, दोनों दो बातें हैं और इनके बीच का अंतर स्पष्ट होना चाहिए। हालांकि इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस काफी पहले से मौजूद हैं। लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा का भी तकाजा है कि गिरफ्तारी को नियम न बना दिया जाए, उसे अपवाद के ही रूप में रहने दिया जाए। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट के पास ऐसे मामले बड़ी संख्या में आते रहते हैं, जिनमें आरोपी के जांच में पूरा सहयोग देने पर भी आरोपपत्र दायर करते समय उसे गिरफ्तार किया जाता है क्योंकि निचली अदालतों का आग्रह होता है कि अगर आरोपी को गिरफ्तार कर उनके सामने पेश नहीं किया जाएगा तो आरोपपत्र रेकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा।

हालांकि हाईकोर्ट के भी ऐसे कई फैसले हैं, जिनमें स्पष्ट किया गया है कि इस आधार पर आरोपपत्र स्वीकार करने से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के सामने मौजूदा मामला भी ऐसा ही था। कोर्ट ने इस स्थिति पर अफसोस जरूर जताया, लेकिन फिर भी अपनी तरफ से यह स्पष्ट कर देना जरूरी समझा कि अगर जांच अधिकारी समझता है कि आरोपी सहयोग कर रहा है और उसके फरार होने की कोई आशंका नहीं है तो उसे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने पहले से स्थापित इस धारणा को दोहराते हुए और मजबूती दे दी कि किसी मामले में गिरफ्तारी की ठोस वजहें होनी चाहिए। या तो अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का हो या हिरासत में पूछताछ जरूरी हो जाए या फिर गवाहों को प्रभावित करने या आरोपी के फरार हो जाने की आशंका हो। जाहिर है, ऐसा कुछ न होने पर किसी आरोपी को गिरफ्तार करने की प्रवृत्ति उचित नहीं कही जा सकती। किसी भी वजह से ऐसा संकेत नहीं जाना चाहिए कि जांच एजेंसियों की दिलचस्पी आरोपी को गिरफ्तार करने और न्याय प्रक्रिया के बहाने अधिक से अधिक समय तक जेल में डालने में है। इससे जांच प्रक्रिया ही अपने आप में एक सजा बन जाती है जिसका सबसे ज्यादा नुकसान इंसाफ को होता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट का यह सामयिक दिशानिर्देश केवल पुलिस और निचली अदालतों को ही नहीं बल्कि तमाम जांच एजेंसियों को अपने आचरण की समीक्षा करने की प्रेरणा देगा।

कैसे हो पुजारियों के कोप से मुक्ति

योमेश चन्द्र जुगरान

उत्तराखंड में बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत 51 संबंधित मंदिरों के मैनेजमेंट के निमित्त बना चारधाम देवस्थानम बोर्ड राज्य सरकार के गले की फांस बनता जा रहा है। इन मंदिरों से जुड़े पुजारियों, तीर्थपुरोहितों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। मंत्र पढ़ने वाले उनके शालीन मुखों से आमरण अनशन और आत्मघात जैसी उग्रता सुनाई दे रही है। पूजा कर्म कराने वाली बाहों पर महीनों से काली पट्टी चढ़ी है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में उनका बेमियादी धरना दो माह पार कर चुका है। चुनावी साल में प्रतिपक्ष भी आग में घी डालने में पीछे नहीं है। हालात को भांपते हुए नए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस सारे मसले पर एक उच्चस्तरीय समिति बनाने का निर्णय लिया है और इसकी सिफारिशें आने तक नई व्यवस्था को स्थगित रखने का भरोसा दिलाया है। लेकिन इस विवाद को सुलझाना आसान नहीं होगा। नए कानून के तहत देवस्थानम बोर्ड को बहुत शक्तिशाली संस्था के रूप में स्थापित किया जा चुका है। गढ़वाल मंडल के कमिश्नर इसके सीईओ होंगे। मुख्यमंत्री बोर्ड के अध्यक्ष और धर्मस्व मंत्री उपाध्यक्ष रहेंगे। पदेन सदस्यों के तौर पर राज्य और केंद्र सरकार के सचिव-स्तरीय अधिकारियों के अलावा सनातन मतावलंबी तीन सांसद और छह विधायक, दानदाताओं के रूप में उद्योग जगत से जुड़ी तीन हस्तियां, टिहरी राजपरिवार का एक सदस्य और वंशानुगत पुजारियों के तीन प्रतिनिधि बोर्ड में शामिल किए गए हैं।सरकार इस फैसले को मंदिरों की व्यवस्था में सुधार और तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता से जोड़कर पेश कर रही है। उसकी दलील है कि उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले राज्य में सुगम तीर्थयात्रा सरकार की अहम जिम्मेदारी है। लेकिन सरकार की बातें पुजारी समुदाय के गले नहीं उतर रहीं। उसका आरोप है कि बोर्ड बनाकर सरकार ने उसके पुश्तैनी तीर्थाधिकारों और चारधाम यात्रा से जुड़ी प्राचीन परंपराओं पर प्रत्यक्ष हमला बोला है। पुजारियों का कहना है कि 2018 में लिए गए इतने अहम निर्णय से पहले सरकार ने उन्हें पूछा तक नहीं!

निस्संदेह आपदा प्रभावित और विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले उत्तराखंड में तीर्थस्थलों का प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा गंभीर विषय है, मगर क्या इसके लिए मंदिरों पर सरकारी वर्चस्व का ऐसा शिकंजा जरूरी है हालांकि शासकीय वर्चस्व तो 'श्री बदरीनाथ मंदिर अधिनियम-1939' के रूप में पिछले 80 बरसों से चला आ रहा है। इस अधिनियम के तहत तत्कालीन यूपी शासन ने मंदिर के प्रबंधन हेतु एक समिति बनाने का प्रावधान किया था। ऐसी समिति यानी 'बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति' का अध्यक्ष बरसों से सत्तारूढ़ दल का कोई नुमाइंदा और कार्यकारी अधिकारी एसडीएम स्तर का अफसर ही होता आया है। यह जरूर है कि पुराने अधिनियम के अनुपालन में सरकारों ने बदरीनाथ के रावल यानी मुख्य पुजारी के पूजाधिकार और स्थानीय समुदायों के पारंपरिक तीर्थाधिकारों से कभी छेड़छाड़ नहीं की। मगर यह पुरानी प्रणाली अनेक अवगुणों और विवादों के कारण अधोगति का शिकार होती चली गई और इसमें सुधार के लिए ठोस कदम कभी नहीं उठाए जा सके। इस नाते पहली नजर में देवस्थानम बोर्ड का गठन समयानुकूल और सही फैसला लगता है।

चूक यह हुई कि सरकार ने सदियों से इन मंदिरों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक वारिसों यानी तीर्थपुरोहितों एवं पुजारियों को विश्वास में लिए बिना इकतरफा निर्णय ले लिया। साथ ही, इन तीर्थस्थलों से जुड़े लगभग तीन दर्जन अन्य मंदिरों पर भी हकदारी जता दी। ऐसे में पुजारियों समेत एक बड़े वर्ग का कुपित होना स्वाभाविक है। अब सरकार की 'श्रापमुक्ति' भी आसान नहीं लगती। राज्य में बहुत कम अंतराल में तीन-तीन मुख्यमंत्रियों के बदले जाने के घटनाक्रम के पीछे देवस्थानम बोर्ड भी एक वजह रहा है। इसकी तस्दीक इससे भी होती है कि नवनियुक्त मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पद संभालने के फौरन बाद देवस्थानम बोर्ड की अहम बैठक ली। बैठक में कुछ निर्णय पुजारियों का आक्रोश कम करने के इरादे से भी लिए गए। मसलन, चारों धामों में गर्भगृह से पूजा का लाइव प्रसारण नहीं होगा। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि कोविड महामारी के कारण ठप पड़ी यात्रा के विकल्प में राज्य सरकार गर्भगृह में जारी नियमित पूजा का लाइव प्रसारण करेगी ताकि विश्व भर के श्रद्धालु घर बैठे ही देवदर्शन कर सकें। पुजारियों को ऐसे किसी प्रसारण पर सख्त ऐतराज था। बैठक में जोशीमठ में वेद अध्ययन केंद्र स्थापित करने और केदारनाथ धाम में पूजा व यात्रा व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए मास्टर प्लान के मुताबिक सलाहकार नियुक्ति करने जैसे निर्णय हुए। चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए देवस्थानम बोर्ड के बजट को भी मंजूरी दी गई। इन निर्णयों से साफ है कि सरकार फैसला पलटने को राजी नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने जरूर हरिद्वार में साधु-संतों और तीर्थपुरोहितों को आश्वासन दे डाला था कि सरकार देवस्थानम बोर्ड के निर्णय पर पुनर्विचार करेगी। इस आश्वासन के बाद विरोध कुछ ठंडा पड़ा था मगर नेतृत्व परिवर्तन होते ही दोनों पक्ष एक बार फिर आमने-सामने डट गए। उत्तराखंड की तीर्थयात्रा परंपरा में स्थानीयता का भारी योगदान है। लोगों के परंपरिक हक-हकूक इससे जुड़े रहे हैं। 1634 में गढ़वाल के राजा ने बदरीनाथ के मुख्य पुजारी के रूप में आद्य शंकराचार्य की जन्मस्थली केरल से नंबूदरी ब्राह्मण को नियुक्त कर रावल परंपरा की शुरुआत की थी। मूर्ति को छूने और पूजा का एकछत्र अधिकार रावल का था। कालांतर में स्थानीय लोगों, खासकर डिमरियों और नौटियालों को भी रावल के सहायक के रूप में पूजा का अधिकार दिया गया। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों को वृत्ति ग्रहण करने के वंशानुगत अधिकार भी हासिल हुए। लेकिन नए देवस्थानम बोर्ड को लेकर पुजारी समुदाय आशंकित हैं। इन आशंकाओं का समाधान सरकार की जिम्मेदारी है। वह यदि तीर्थाटन के बदलते स्वरूप के मद्देनजर नूतन व्यवस्थाएं बनाना चाहती है तो उसे सुनिश्चित करना होगा कि ये न सिर्फ सदियों से चली आ रही सनातनी परंपराओं को परिमार्जित करने वाली हों, बल्कि कसौटियों के 'पहाड़' पर भी खरी उतरें।

ऐसा लगता है भारत ने अपनी अफगान नीति का ठेका अमेरिका को दे दिया है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मोदी सरकार के पास कोई ऐसा नेता या अफसर नहीं है, जो काबुल के कोहराम को शांत करने में कोई भूमिका अदा करे और एक संयुक्त सरकार खड़ी करने में मदद करे। तालिबान से सभी प्रमुख राष्ट्रों ने खुले और सीधे संवाद बना रखे हैं लेकिन भारत अब भी बगलें झांक रहा है। यह खुशी की बात है कि अफगानिस्तान से भारतीय नागरिकों की सकुशल वापसी हो रही है। भारत सरकार की नींद देर से खुली लेकिन अब वह काफी मुस्तैदी दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कथन प्रशंसनीय है कि अफगानिस्तान के हिंदू और सिख तथा अफगान भाई-बहनों का भारत में स्वागत है। यह कहकर उन्होंने सीएए कानून को नई ऊंचाईयाँ प्रदान कर दी हैं। लेकिन भारत सरकार अब भी असमंजस में है। कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि वह क्या करे। भारत सरकार की अफगान नीति वे मंत्री और अफसर बना रहे हैं, जिन्हें अफगानिस्तान के बारे में मोटे-मोटे तथ्य भी पता नहीं हैं।

हमारे विदेश मंत्री इस समय न्यूयार्क में बैठे हैं और ऐसा लगता है कि हमारी सरकार ने अपनी अफगान-नीति का ठेका अमेरिकी सरकार को दे दिया है। वह तो हाथ पर हाथ धरे बैठी है। भारत अफगानिस्तान का पड़ौसी है और उसने वहां 3 बिलियन डॉलर खर्च भी किए हैं, इसके बावजूद काबुल की नई सरकार बनवाने में उसकी कोई भूमिका नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. अब्दुल्ला अब्दुल्ला भारत के मित्र हैं। वे तालिबान से बात करके काबुल में संयुक्त सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं और पाकिस्तान इस मामले में तगड़ी पहल कर रहा है लेकिन भारत ने अपने संपूर्ण दूतावास को दिल्ली बुला लिया है। मोदी सरकार के पास कोई ऐसा नेता या अफसर या बुद्धिजीवी नहीं है, जो काबुल के कोहराम को शांत करने में कोई भूमिका अदा करे और एक संयुक्त सरकार खड़ी करने में मदद करे। तालिबान से सभी प्रमुख राष्ट्रों ने खुले और सीधे संवाद बना रखे हैं लेकिन भारत अब भी बगलें झांक रहा है। उसकी यह अपंगता काबुल में चीन और पाकिस्तान को जबर्दस्त मजबूती प्रदान करेगी। भारत अपनी 25 साल पुरानी मांद में खर्राटे खींच रहा है। सरकार को पता ही नहीं है कि पिछले 25 साल में तालिबान कितना बदल चुके हैं। पहली बात तो यह कि उनके बीच नई पीढ़ी के नौजवान आ चुके हैं, जो पश्चिमी जीवन-पद्धति और आधुनिकता से परिचित हैं। दूसरी बात यह कि उनके प्रवक्ता ने आधिकारिक घोषणा की है कि अफगान महिलाओं के साथ वैसी ज्यादतियां नहीं की जाएंगी, जैसे पहले की गई थीं और उनकी सरकार सर्वहितकारी व सर्वसमावेशी होगी। तीसरी बात यह है कि सिख गुरुद्वारे में जाकर तालिबान नेताओं ने हिंदू और सिखों को सुरक्षा का वचन दिया है। चौथी, सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि उन्होंने कई बार दोहराया है कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और भारत ने अफगानिस्तान में जो नव-निर्माण किया है, उसके लिए तालिबान उनके आभारी हैं। उनके प्रवक्ता ने यह भी भरोसा दिलाया है कि किसी भी देश को वे यह सुविधा नहीं देंगे कि वह किसी अन्य देश के विरुद्ध अफगान भूमि का इस्तेमाल कर सके। याने न तो भारत पाकिस्तान के और न ही पाकिस्तान भारत के विरुद्ध अफगानों के जरिए आतंक फैला सकेगा। यदि तालिबान सरकार अपने पुराने ढर्रे पर चलने लगे तो भारत को उसका विरोध करने से किसने रोका है

अमेरिका की मौजूदगी के बावजूद अफगानिस्तान पर आतंकी कब्जा होना पूरी दुनिया के लिए बड़ा संदेश

डॉ. नीलम महेंद्र

अमेरिका की सेनाएँ 20 साल तक अफगानिस्तान में रहती हैं, अफगान फोर्सेज पर 83 बिलियन डॉलर खर्च करती है उन्हें ट्रेनिंग ही नहीं हथियार भी देती हैं और अंत में साढ़े तीन लाख सैनिकों वाली अफगान फौज 80 हज़ार तालिबान लड़ाकों के सामने बिना लड़े आत्मसमर्पण कर देती है।

दृश्य 1: सुरक्षित स्थान की तलाश में अपने ही देश से पलायन करने के लिए एयरपोर्ट के बाहर हज़ारों महिलाएं, बच्चे और बुजुर्गों की भीड़ लगी है। कई दिन और रात से वो भूखे प्यासे वहीं डटें हैं इस उम्मीद में कि किसी विमान में सवार हो कर वो अपना और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करने में कामयाब हो जाएंगे। बाहर तालिबान है, भीतर नाटो की फौजें। हर बीतती घड़ी के साथ उनकी उम्मीद की डोर टूटती जा रही है। ऐसे में महिलाऐं अपने छोटे छोटे बच्चों की जिंदगी को सुरक्षित करने के लिए उन्हें नाटो फ़ौज के सैनिकों के पास फेंक रही हैं। इस दौरान कई बच्चे कँटीली तारों पर गिरकर घायल हो जाते हैं।

दृश्य 2: इस प्रकार की खबरें और वीडियो सामने आते हैं जिसमें अफगानिस्तान में छोटी-छोटी बच्चियों को तालिबान घरों से उठाकर ले जा रहा है।

दृश्य 3: अमेरिकी विमान टेक ऑफ के लिए आगे बढ़ रहा है और लोगों का हुजूम रनवे पर विमान के साथ-साथ दौड़ रहा है। अपने देश को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कुछ लोग विमान के टायरों के ऊपर बनी जगह पर सवार हो जाते हैं। विमान के ऊंचाई पर पहुंचते ही इनका संतुलन बिगड़ जाता है और आसमान से गिरकर इनकी मौत हो जाती है। इनके शव मकानों की छत पर मिलते हैं।

दृश्य 4: एक जर्मन पत्रकार की खोज में तालिबान घर-घर की तलाशी ले रहा है, जब वो पत्रकार नहीं मिलता तो उसके एक रिश्तेदार की हत्या कर देता है और दूसरे को घायल कर देता है। ऐसे न जाने कितने हृदयविदारक दृश्य पिछले कुछ दिनों दुनिया के सामने आए। क्या एक ऐसा समाज जो स्वयं को विकसित और सभ्य कहता हो उसमें ऐसी तस्वीरें स्वीकार्य हैं क्या ऐसी तस्वीरें महिला और बाल कल्याण से लेकर मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए बने तथाकथित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के औचित्य पर प्रश्न नहीं लगातीं क्या ऐसी तस्वीरें अमेरिका और यूके समेत 30 यूरोपीय देशों के नाटो जैसे तथाकथित वैश्विक सैन्य संगठन की शक्ति का मजाक नहीं उड़ातीं इसे क्या कहा जाए कि विश्व की महाशक्ति अमेरिका की सेनाएँ 20 साल तक अफगानिस्तान में रहती हैं, अफगान सिक्युरिटी फोर्सेज पर तकरीबन 83 बिलियन डॉलर खर्च करती है उन्हें ट्रेनिंग ही नहीं हथियार भी देती हैं और अंत में साढ़े तीन लाख सैनिकों वाली अफगान फौज 80 हज़ार तालिबान लड़ाकों के सामने बिना लड़े आत्मसमर्पण कर देती है। वहां के राष्ट्रपति एक दिन पहले तक अपने देश के नागरिकों को भरोसा दिलाते हैं कि वो देश तालिबान के कब्जे में नहीं जाने देंगे और रात को देश छोड़कर भाग जाते हैं। तालिबान सिर्फ अफगानिस्तान की सत्ता पर ही काबिज़ नहीं होता बल्कि आधुनिक अमेरिकी हथियार, गोला बारूद, हेलीकॉप्टर और लड़ाकू विमानों से लेकर दूसरे सैन्य उपकरण भी तालिबान के कब्जे में आ जाते हैं। अमेरिकी सेनाओं के पूर्ण रूप से अफगानिस्तान छोड़ने से पहले ही यह सब हो जाता है वो भी बिना किसी संघर्ष के। ऐसा नहीं है कि सत्ता संघर्ष की ऐसी घटना पहली बार हुई हो। विश्व का इतिहास सत्ता पलट की घटनाओं से भरा पड़ा है। लेकिन मानव सभ्यता के इतने विकास के बाद भी इस प्रकार की घटनाओं का होना एक बार फिर साबित करता है कि राजनीति कितनी निर्मम और क्रूर होती है। अफगानिस्तान का भारत का पड़ोसी देश होने से भारत पर भी निश्चित ही इन घटनाओं का प्रभाव होगा। दरअसल भारत ने भी दोनों देशों के सम्बंध बेहतर करने के उद्देश्य से अफगानिस्तान में काफी निवेश किया है। अनेक प्रोजेक्ट भारत के सहयोग से अफगानिस्तान में चल रहे थे। सड़कों के निर्माण से लेकर डैम, स्कूल, लाइब्रेरी यहाँ तक कि वहाँ की संसद बनाने में भी भारत का योगदान है। 2015 में ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहाँ की संसद भवन का उद्घाटन किया था जिसके निर्माण में अनुमानतः 90 मिलियन डॉलर का खर्च आया था। लेकिन आज अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान काबिज़ है जो एक ऐसा आतंकवादी संगठन है जिसे पाकिस्तान और चीन का समर्थन हासिल है। भारत इस चुनौती से निपटने में सैन्य से लेकर कूटनीतिक तौर पर सक्षम है। पिछले कुछ वर्षों में वो अपनी सैन्य शक्ति और कूटनीति का प्रदर्शन सर्जिकल स्ट्राइक और आतंकवाद समेत धारा 370 हटाने जैसे अनेक अवसरों कर चुका है लेकिन असली चुनौती तो संयुक्त राष्ट्र संघ, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद, यूनिसेफ, जैसे वैश्विक संगठनों के सामने उत्पन्न हो गई है जो मानवता की रक्षा करने के नाम पर बनाई गई थीं। लेकिन अफगानिस्तान की घटनाओं ने इनके औचित्य पर ही प्रश्न खड़े कर दिए हैं। दरअसल राजनीति अपनी जगह है और मानवता की रक्षा अपनी जगह। क्या यह इतना सरल है कि स्वयं को विश्व की महाशक्ति कहने वाले अमेरिका की फौजों के रहते हुए वो पूरा देश ही उस आतंकवादी संगठन के कब्जे में चला जाता है जिस देश में वो उस आतंकवादी संगठन को खत्म करने के लिए 20 सालों से काम कर रहा हो अगर हाँ, तो यह अमेरिका के लिए चेतावनी है और अगर नहीं तो यह राजनीति का सबसे कुत्सित रूप है। एक तरफ़ विश्व की महाशक्तियां इस समय अफगानिस्तान में अपने स्वार्थ की राजनीति और कूटनीति कर रही हैं तो दूसरी तरफ ये संगठन जो ऐसी विकट परिस्थितियों में मानवीय मूल्यों एवं संवेदनाओं की रक्षा करने के उद्देश्य से आस्तित्व में आईं थीं वो अफगानिस्तान के इन मौजूदा हालात में निरर्थक प्रतीत हो रही हैं।

तेरे हिस्से में तो मां आई थी

इंद्रेश कुमार उनियाल

किसी को घर मिला हिस्से में या कोई दुकां आई
मैं घर में सब से छोटा था मिरे हिस्से में मां आई

एक तथाकथित महान शायर ने यह कहा था. सभी ने खूब तालियां बजाई. वाह - वाह क्या खूब कहा है. पर 2014 के बाद इस शायर की पोल खुल गई.. यह भी अवॉर्ड वापसी गैंग का सदस्य निकला. यह तथाकथित प्रगतिशील साहित्यकार भी माना जाता है या कहें मनवाया गया था. पर इसके घर में बुर्काप्रथा है इससे पहले एक और तथाकथित महान शायर की पोल खुली थी उसका नाम था लानत इंदौरी. जी हां यही कहूंगा जब उसने अटल जी जैसे महान व्यक्तित्व पर अभद्र व अश्लील शायरी रच डाली. यह एक सड़क छाप था और सड़क छाप ही रहा. पता नहीं यह मुशायरा हो रहा था या किसी घटिया राजनीतिक दल का सम्मेलन. उर्दू साहित्य के नाम पर गंदगी परोसी जा रही थी. अब उन लोगों की सोच क्या रही होगी जो इस अश्लीलता पर तालियाँ बजा रहे थे. अभी मुनव्वर राणा का अपने भाई से जमीन जायजाद व्यापार पर विवाद हुआ. अपने ही चचेरे भाई को फंसाने के लिये इसके बेटे ने साजिश रची और अपने उपर गोली चलवाई. उसकी कार के साथ खड़े तथाकथित हमलावरों ने इतने नजदीक से सभी गोलियाँ कार पर चलाई. इसको एक न लगी. सीसीटीवी में सब पकड़ में आ गया कि उन हमलावरों से यह बात भी कर रहा था. इसके बाद जब पुलिस इसके बेटे को पकड़ने इसके घर गई तो इसने और इसकी बेटी ने बवाल काट दिया. पर्दे वाले घर में पुलिस कैसे आ सकती है जैसे सवाल उठाए. पर मैं लानत इंदौरी के ही अंदाज में कहता हूँ, 'कानून इसके बाप का थोड़ी है.' अब इन तथाकथित महान शायर मुनव्वर राणा के घर पत्रकार पहुँच गये. इसके बाद राष्ट्रीय चैनल पर ही जो कुछ इसने कहा और अपने चचेरे भाई व चाचा के लिये कहा उसने इसकी सारी पोल खोल दी. अपने चचेरे भाई के खिलाफ इसने जिन शब्दों का प्रयोग किया वह इसकी मानसिकता और जहनियत के परिचायक है पर इस सार्वजनिक मंच पर लिखे नहीं जा सकते. इसने ही खुलासा किया कि कलकत्ता में इसके चाचा घर में बम बनाते थे. एक बार बम घर में ही फट गया. इसने अपने प्रभाव से अपने चाचा को बचा लिया. वाह - वाह कितने महान व्यक्ति थे यह. उधर चचेरे भाई ने कहा कि उनका व्यापार इसने हड़प लिया. इससे तो यही सिद्ध होता है कि इसके हिस्से में माँ आई यह इसने मात्र प्रसिद्दि पाने के लिये लिखा था. लोगों को भावुक करने के लिये लिखा था. यह इसके दिल के विचार नहीं थे। मेरे विचार में सच्चा कलम का सिपाही वही है जो वही बात लिखे जो वह जीवन में भी अपनाता है. हां, अगर कहानी काल्पनिक है तो इसकी भी घोषणा करे कि यह काल्पनिक है. यही नहीं यह तथाकथित प्रगतिशील साहित्यकार अफ़गानिस्तान में तालिबान का समर्थन भी कर रहा है. वहां की मां बेटियों पर होते जुल्म इसे नहीं दिख रहे हैं. यह कैसा जाहिल और बर्बर सोच वाला व्यक्ति है यह इससे स्पष्ट हो जाता है।

बुनियादी संरचना का खौफ

भरत झुनझुनवाला

मात्र बुनियादी संरचना में निवेश करना पर्याप्त नहीं होता है जिस प्रकार केवल दवा देना से रोगी के उपचार के लिए पर्याप्त नहीं होता है। सही संरचना बनानी होगी और सही दवा देनी होगी। इसलिए सरकार को चाहिए कि बुनियादी संरचना के खौफ से बचे। उच्च वर्गीय बुनियादी संरचना में निवेश करने से देश की आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। बुनियादी संरचना में निवेश की दिशा में परिवर्तन करना होगा। मेरे समेत तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना रहा है कि देश के आर्थिक विकास के लिए हमें बुनियादी संरचना को सही करना होगा जैसे हाईवे, विद्युत, इंटरनेट इत्यादि को। सड़क सही नहीं होती है तो व्यापार नहीं पनपता है। अध्ययनों में पाया गया है कि ग्राम विकास के लिए सबसे अधिक प्रभावी निवेश पक्की सड़क में होता है। सड़क उपलब्ध हो जाने से गांव के लोग अपने माल को आसानी से शहर तक ले जाकर बेच सकते हैं और गांव का विकास होने लगता है। वर्तमान एनडीए सरकार ने बुनियादी संरचना में निवेश में भारी प्रगति की है विशेषकर हाईवे और जलमार्ग में। सरकार के पूंजी निवेश में बुनियादी संरचना प्रमुख हिस्सा होता है। पिछले वर्ष 2020-21 में केंद्र सरकार ने 4.39 लाख करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया था जो वर्तमान वर्ष 2021-22 में 5.54 लाख करोड़ होने का अनुमान है। इसमें 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है। फिर प्रश्न उठता है कि बुनियादी संरचना में इतने निवेश के बावजूद एनडीए सरकार के ही पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर लगातार गिर क्यों रही है इसका कारण संभवतः यह है कि हम गलत बुनियादी संरचना में निवेश कर रहे हैं जैसे मरीज को दवा देना जरूरी होता है लेकिन गलत दवा देने से नुकसान हो जाता है। यह बात मैं आपके सामने कुछ उदाहरणों से रखना चाहता हूं।

पहला उदाहरण शहर में फुट ओवर ब्रिज का लें। चौराहे पर पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज बना दिया जाता है। इससे आम आदमी को सड़क पार करने में समय अधिक लगता है। ऊपर चढ़ने और उतरने में उसकी ऊर्जा वय होती है जबकि नीचे कार के सरपट भागने और लाल बत्ती के हटाए जाने से उच्च वर्ग को आसानी होती है। वह अपने गंतव्य स्थान पर शीघ्र पहुंच सकते हैं। हां, आम आदमी के जीवन की रक्षा होती है और उच्च वर्ग को दुर्घटना से बचने में मदद भी मिलती है। लेकिन अंत में आम आदमी पर फुट ओवर ब्रिज का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका उपाय यह है कि फुट ओवर ब्रिज के साथ स्वचालित एस्केलेटर लगाया जाए जिससे कि आम आदमी के समय की बर्बादी न हो और एस्केलेटर चलाने का खर्च नीचे दौड़ने वाली कार से वसूल किया जाए। दूसरा उदाहरण हाईवे का लें। हाईवे पर गाड़ी बिना व्यवधान के दौड़ सके इसलिए दोनों तरफ तार लगा दिए जाते हैं। हाईवे के एक तरफ रहने वाले को हाईवे के दूसरी तरफ अपनी जमीन तक पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है क्योंकि ट्रैक्टर को हाईवे पार कराना अब संभव नहीं रह गया है। इसलिए हाईवे से किसान की लागत बढ़ जाती है। इसके विपरीत हाईवे पर चलने वाले ट्रक को सुविधा होती है। ट्रक पर ढोए जाने वाले माल का ढुलाई खर्च कम हो जाता है। लेकिन ट्रक पर ढुलाई किये जाने वाले माल की खपत मेरे अनुमान से 80 प्रतिशत उच्च वर्ग द्वारा ही की जाती है। साथ-साथ हाईवे बनाने में जो सीमेंट, स्टील और मशीन का उपयोग किया जाता है वह भी बड़ी कंपनियां ही सप्लाई करती हैं। हाईवे का अंतिम परिणाम आम आदमी पर नकारात्मक पड़ता है। इतना अवश्य है कि उसके द्वारा भी बाजार से खरीदी जाने वाली वस्तुओं के दाम में गिरावट आती है। लेकिन बाजार से आम आदमी माल कम खरीदता है और उच्च वर्ग ज्यादा। इसलिए उच्च वर्ग को विशेष लाभ होता है। इसका उपाय यह है कि हाईवे बनाने के साथ-साथ ग्रामीण सड़कों पर भी भारी निवेश किया जाए जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं कस्बों में आम आदमी के लिए भी कार्य करना लाभप्रद हो जाए। हाईवे बनाने से उसका जो उसे नुकसान होता है उसकी भरपाई कस्बे की अच्छी सड़क से हो जाए। तीसरा उदाहरण जलमार्ग का लीजिए। जलमार्ग बनाने से नदी पर बड़े जहाज चलने लगते हैं और मछुआरों का धंधा समाप्तप्राय हो जाता है। छोटे नाविक का धंधा भी कमजोर पड़ जाता है। इसके विपरीत जल मार्ग से कोयले आदि माल की ढुलाई की लागत कम हो जाती है। कोयले से उत्पादित बिजली की भी लागत कम हो जाती है। लेकिन उस बिजली की खपत भी एल्युमिनियम जैसे उद्योगों और बड़े शहरों में एयर कंडीशनर इत्यादि उपकरणों को चलाने में अधिक होता है। इस प्रकार जलमार्ग का मछुआरों और नाविक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग को सस्ती बिजली और सस्ते माल की उपलब्धि होने से लाभ होता है। इसका विकल्प यह है कि जलमार्ग के स्थान पर रेल मार्ग से ढुलाई की जाए जिससे आम आदमी पर दुष्प्रभाव कम पड़े। चौथा उदाहरण खनिज के खदान का लें। आज तमाम खनिज हमारे जंगलों के नीचे दबे पड़े हैं। इन्हें निकालने के लिए उनके ऊपर के जंगलों को काटा जाता है। इससे स्थानीय लोगों को महुए के फूल, चिरौंजी के दाने, तेंदू पत्ता, पशुओं का चारा इत्यादि सभी नष्ट हो जाते हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने वुमेंस आईपीएल को लेकर दिया बड़ा दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्सने कहा है कि वुमेंस आईपीएल का आयोजन अब काफी जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत के डोमेस्टिक क्रिकेट में कई शानदार टैलेंट मौजूद हैं और उन्हें एक सही प्लेटफॉर्म देने की जरूरत है। अनुभवी खिलाड़ी का मानना है कि इंटरनेशनल खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से डोमेस्टिक खिलाड़ियों को काफी फायदा होगा।

रोड्रिग्स ने बीबीसी के साथ बातचीत में कहा कि युवा लड़कियों को आईपीएल से काफी कुछ सीखने का मौका मिलेगा और उन्हें ये भी पता चलेगा कि भारतीय टीम के लिए खेलने के लिए उन्हें कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। रोड्रिग्स ने कहा, जब एक बार इन लड़कियों को पता चल जाएगा कि ये स्टैंडर्ड है और हमें ये काम करने की जरूरत है तो फिर वो और ज्यादा मेहनत करेंगी। भारत के लिए ये काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि डोमेस्टिक और इंटरनेशनल खिलाड़ियों के बीच का गैप काफी बढ़ गया है। आपको भारत की हर गली में देखेंगे कि लड़के और लड़कियां क्रिकेट खेल रहे हैं। भविष्य के खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि वुमेंस आईपीएल का आयोजन होना चाहिए।

रोड्रिग्स विदेशी लीगों में भी खेलती है। इनमें वुमेंस बीबीएल और द हंड्रेड भी शामिल हैं। वह इस समय वुमेंस हंड्रेड में नॉदर्न सुपरचार्जर्स का हिस्सा हैं। इस टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक कमाल का प्रदर्शन किया है। रोड्रिग्स ने इस लीग में अपनी टीम के लिए पांच पारियों में अब तक 241 रन बनाए हैं। इन लीगों में खेलने के बाद उन्हें लगता है कि भारतीय महिला खिलाड़ियों के लिए भी अपना एक लीग होनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब हम देखते हैं कि वुमेंस आईपीएल का आयोजन हो रहा है, फिर केएसएल और फिर द हंड्रेड तो हमें लगता है कि हम कब वुमेंस आईपीएल में खेलेंगे। इससे वुमेंस क्रिकेट को काफी फायदा होगा।

आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में तीन बड़े बदलावों के साथ उतरेगी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज में अब एक महीने से भी कम का समय बचा है। सभी टीमें इन दिनों विदेशी खिलाड़ियों की रिप्लेसमेंट को ढूंढने में जुटी हुईं हैं। पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस को साइन करने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम में भी बड़े फेरबदल हुए हैं। विराट कोहली की कप्तानी वाली आरसीबी ने वानिंदु हसरंगा, दुष्मंत चमीरा और टिम डेविड जैसे धाकड़ प्लेयर्स को टीम से जोड़ा है। हालांकि, टीम के लिए बुरी खबर यह है कि फिन एलेन, एडम जाम्पा, केन रिर्चड्सन जैसे स्टार खिलाड़ी टीम की तरफ से खेलते नजर नहीं आएंगे। आइए जानते हैं कि यूएई में आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में किन तीन बड़े बदलावों के साथ उतरने की तैयारी में है बैंगलोर की टीम।

श्रीलंका दौरे पर भारत की बैटिंग को तहस-नहस करने वाले वानिंदु हसरंगा को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए यूएई में खेलते नजर आएंगे। हसरंगा अपनी घूमती गेंदों से बड़े से बड़े बल्लेबाजों को चकमा दे सकते हैं। इसके साथ ही वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में काफी किफायती गेंदबाज भी माने जाते हैं। श्रीलंका का यह ऑलराउंडर खिलाड़ी बल्ले से भी योगदान देने में सक्षम है। वहीं, सिंगापुर के स्टार प्लेयर टिम डेविड के पास बड़े-बड़े शॉट्स लगाने की क्षमता है। इंटरनेशनल टी-20 मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 158.52 का है और दुनिया की मशहूर टी-20 लीगों में शिरकत भी करते हैं। श्रीलंका के तेज गेंदबाज दुष्मंत चमीरा यूएई की पिचों पर अपनी गेंदबाजी में विविधताओं के चलते टीम को अच्छा फायदा पहुंचा सकते हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम यूएई में खेले जाने वाले आईपीएल 2021 के बचे हुए 31 मैचों में हेड कोच साइमन कैटिच के बिना उतरेगी। कैटिच निजी कारणों के चलते आईपीएल 2021 में टीम के हेड कोच के पद से हट गए हैं। उनकी जगह पर माइक हेसन मुख्य कोच की भूमिका में नजर आएंगे। साइमन कैटिच बैंगलोर की टीम से आईपीएल 2020 की शुरुआत से पहले जुड़े थे और उनकी देखरेख में उस साल टीम प्लेऑफ तक का सफर तय करने में सफल रही थी।

आईपीएल 2021 के दूसरे फेज के लिए भले ही बैंगलोर की टीम ने कई दमदार खिलाड़ियों को टीम से जोड़ लिया हो, लेकिन एडम जाम्पा, डैनियल सैम्स और केन रिचर्ड्सन जैसे इंटरनेशनल खिलाड़ियों की कमी टीम को जरूर खलेगी। तीनों ही प्लेयर्स ने निजी कारणों के चलते टूर्नामेंट में शामिल ना होने का फैसला किया है। जाम्पा और रिर्चड्सन के पास टी-20 क्रिकेट का काफी अनुभव मौजूद है, जिसकी यकीनन विराट कोहली मिस करेंगे। वहीं, डैनियल सैम्स यूएई की पिचों पर काफी कारगर साबित हो सकते थे।

डॉमनिक सिब्ले पर भड़के पूर्व इंग्लिश बल्लेबाज, कहा- नहीं है क्रिकेट खेलने का ढंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉर्ड्स टेस्ट में भारत के हाथों करारी हार झेलने के बाद इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में बदलाव किए हैं। इंग्लिश टीम ने टॉप ऑर्डर में लगातार चार पारियों में खराब प्रदर्शन करने वाले डॉमिनिक सिब्ले और जैक क्राउली को तीसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। वहीं, डेविड मलान और तेज गेंदबाज साकिब महमूद को टीम से जोड़ा है। सिब्ले को टीम से बाहर करने के फैसले का पूर्व इंग्लिश बल्लेबाज रॉबर्ट की ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वह सिब्ले को पूरी सीरीज में कभी नहीं चुनते और सलामी बल्लेबाज को उनके मुताबिक क्रिकेट खेलने का ढंग ही नहीं है। स्काय स्पोर्ट्स के साथ बातचीत करते हुए इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा, मैं इस सीरीज में सिब्ले को कभी नहीं चुनता। मुझे पता है कि यह सुनकर बुरा लगेगा, लेकिन वह मेरे हिसाब से ठीक से क्रिकेट नहीं खेल पाते हैं जैसा मैं सोचता हूं कि एक बल्लेबाज को खेलना चाहिए।आपको काउंटरपंच करना आना चाहिए। आपके पास गेंदबाज को जवाब देने के लिए कुछ होना चाहिए। सिर्फ क्रीज पर खड़े रहने और गेंद की चमक को फीका करने से कुछ नहीं होता है। उनकी अपसाइड काफी नहीं है। इंग्लैंड को अपने कप्तान को शीशे में देखना चाहिए कि वह किस तरह से खेले। यह इतना आसान नहीं है क्योंकि वह इंग्लैंड के लिए खेले बेस्ट प्लेयर्स में से एक हैं, लेकिन आप सिर्फ वहां पर जाकर भारत से जीतने का रास्ता ब्लॉक नहीं कर सकते हैं। यह काम नहीं करने वाला है।

रॉबर्ट की ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर आई भारत की यह अबतक की सबसे बेस्ट टीम है। मोहम्मद सिराज की दमदार गेंदबाजी और बुमराह-शमी की यादगार साझेदारी की बदौलत टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 151 रनों से रौंदा था। 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी इंग्लिश टीम महज 120 रनों पर सिमट गई थी। इस जीत के बाद टीम इंडिया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अभी 1-0 से आगे चल रही है।

यूएसए में खेलने के लिए श्रीलंका क्रिकेट को छोड़ रहे हैं निरोशन डिकवेला!, करीबी ने किया यह खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के तीन क्रिकटरों- निरोशन डिकवेला, दानुष्का गुणतिलका और कुसल मेंडिस पर एक-एक साल का बैन लगा हुआ है। इन खिलाड़ियों पर यह बैन इस साल जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर बायो-बबल प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के मामले में लगाया गया था। निरोशन डिकवेला को लेकर ऐसी खबरें आ रही है कि यह क्रिकेटर अब अमेरिका में खेलने के लिए श्रीलंका क्रिकेट को छोड़ रहा है। हालांकि क्रिकेटर के करीबी सहयोगियों में से एक ने खुलासा किया है कि यह सब केवल आफवाह है और ऐसी खबरें निराधार हैं। इंग्लैंड दौरे पर बायो-बबल प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के बाद इन तीनों क्रिकेटरों को तुरंत वापस स्वदेश बुला लिया गया था और इस मामले पर श्रीलंका क्रिकेट द्वारा जांच शुरू कर दी गई थी। दोषी पाए जाने के बाद उन्हें एक साल के लिए बैन कर दिया गया था।

पाकिस्तान की एक वेबसाइट ने डिकवेला के एक करीबी सहयोगी के हवाले से कहा है कि श्रीलंकाई क्रिकेटर के देश छोड़कर अमेरिका के लिए खेलने की खबरें महज अफवाह हैं। सूत्रों ने दावा किया है कि श्रीलंका का यह विकेटकीपर बल्लेबाज फिर से नेशनल टीम में वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। सूत्र ने कहा, वह (डिकवेला) व्यक्तिगत रूप से कुछ टॉप सलाहकारों से सलाह ले रहे हैं। वह एक प्योर और गौरवान्वित श्रीलंकाई होगा चाहे कुछ भी हो। अमेरिका में खेलने की उनकी खबरें पूरी से तरह बकवास है। डिकवेला का उद्देश्य कठिन अभ्यास करना और मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत व्यक्ति के रूप में नेशनल टीम में वापस करना तथा मैच जीतना है।

उन्होंने आगे कहा, उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट के कारण सब कुछ हासिल किया है। वह श्रीलंका क्रिकेट के लिए शतफीसदी प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने गलती की, उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की और मौखिक और लिखित रूप से श्रीलंका क्रिकेट से माफी भी मांगी है। भारत के उन्मुक्त चंद भारतीय क्रिकेट को छोड़कर अमेरिका में खेलने के लिए गए हुए हैं। इंग्लैंड के डरहम शहर की सड़कों पर धूम्रपान करने और घूमने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद निरोशन डिकवेला, दानुष्का गुणातिलका और कुसल मेंडिस पर बायो-बबल प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप लगाया गया था और उन्हें तुरंत दौरे से वापस बुला लिया गया था। इसके बाद उन्हें भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम में नहीं शामिल किया गया था।

आईपीएल 2021: आईपीएल के दूसरे चरण से पहले आरसीबी को लगा झटका, साइमन कैटिच ने हेड कोच का पद छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण शुरू होने में अब एक महीने से भी कम का समय रह गया है। उससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खेमे से बुरी खबर आई है। खबर है विराट कोहली की कप्तानी वाली आरसीबी के हेड कोच साइमन कैटिच ने हेड कोच का पद छोड़ दिया है।कैटिच के आरसीबी के हेड कोच के पद से इस्तीफा देने का कारण फिलहाल निजी बताया जा रहा है।

ऐसे में कैटिच की जगह पर टीम के द डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशन माइक हेसन ने टीम के हेड कोच के रूप में पदभार संभाला है। हेसन आईपीएल 2021 के बचे हुए सीजन में आरसीबी के हेड कोच बने रहेंगे। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को अपना इस दूसरे चरण का पहला मैच 20 सितंबर को कोलकता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेलना है। इससे अतिरिक्त आरसीबी के लिए एक अच्छी खबर भी है, श्रीलंका के स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने कोहली की टोली का दामन थाम लिया है। हसरंगा ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा की जगह टीम में शामिल होंगे। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण 19 सितम्बर से यूएई में होना है। सितारों से सजी आरसीबी की टीम इस बार अच्छी लय में दिख रही है। ग्लेन मैक्सवेल, एबी डिविलियर्स और काइल जेमीसन जैसे विदेशी खिलाड़ियों का साथ मिलने के बाद ये टीम और भी खतरनाक हो गई है। आईपीएल 2021 में आरसीबी तीसरे स्थान पर है, और इस बार वे खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

रोहित शर्मा की बैटिंग के मुरीद हुए सुनील गावस्कर, कहा- लॉर्ड्स में शतक लगाना ही सबकुछ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया की सलामी जोड़ी का प्रदर्शन शानदार रहा है। ट्रेंट ब्रिज के बाद लॉर्ड्स में भी रोहित शर्मा और केएल राहुल ने टीम को दमदार शुरुआत दी थी। राहुल ने शतकीय पारी खेली थी, जबकि हिटमैन ने 83 रनों की इनिंग में फैन्स का जमकर मनोरंजन किया था। रोहित भले ही सेंचुरी बनाने में नाकाम रहे, लेकिन वह जबरदस्त टच में नजर आए, जो भारत के लिहाज से अच्छी खबर है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का भी मानना है कि रोहित की मौजूदा फॉर्म का फायदा टीम इंडिया को आने वाले मैचों में जरूर मिलेगा। गावस्कर ने लॉर्ड्स में रोहित की 83 रनों की पारी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि लॉर्ड्स में शतक बनाना ही सबकुछ नहीं होता है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत करते हुए गावस्कर ने कहा, एक पांच दिन के टेस्ट मैच में किसी को भी आइडिया नहीं होता है कि पहले दिन पिच कैसा बर्ताव करेगी। गेंद बाउंस करेगी या फिर मौसम की वजह से पिच में नमी है इसका अंदाजा लगाना मुश्किल होता है। इसके लिए आपको थोड़ा समय चाहिए होता है और इसी तरह की एडजस्टमेंट रोहित शर्मा ने पहली पारी में दिखाई। उन्होंने काफी शानदार तरीके से इस काम को किया- किस तरह का शॉट खेलना है और किस तरह का नहीं। आप देखिए उन्होंने कितनी गेंदों को छोड़ा, जिसमें से कुछ ऑफ स्टंप के एकदम पास थी। यह एडजस्टमेंट दिमागी होती है और इसमें रोहित निपुण हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि लॉर्ड्स में शतक लगाने की सबकुछ नहीं होता है। उन्होंने कहा, और इसी से आपको एक खिलाड़ी से उम्मीद मिलती है। अगर आपके पास एक प्लेयर है जो गारंटी के साथ 80 रन बनाने वाला है, तो वह पांच मैचों की सीरीज में 400 से 500 रन बनाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स यूएई के लिए हुई रवाना, अय्यर पहले से ही दुबई में कर रहे है प्रैक्टिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल 2021) का दूसरे फेज में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम की शनिवार को यूएई के लिए रवाना हो गई है। दिल्ली कैपिटल्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से इसकी जानकारी दी। दिल्ली कैपिटल्स ने इंस्टाग्राम पर टीम के यूएई के लिए रवाना होते समय की एक तस्वीर पेश की। डीसी ने कैप्शन में लिखा, हमें पूरा यकीन है मास्क से अंदर उत्साहित मुस्कान है। यूएई हम यहां आते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम के साथ अभी कुछ घरेलू क्रिकेटर और सपोर्ट स्टाफ ही यूएई के लिए रवाना हुए हैं। टीम के बाकी खिलाड़ी अपने अलग-अलग इंटरनेशनल दौरों को खत्म करने के बाद जुड़ेंगे। आईपीएल 2021 के पहले फेज में टीम की अगुवाई करने वाले ऋषभ पंत इस समय इंग्लैंड में हैं। टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज यहां खेली जा रही है। हालांकिदिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पहले से ही यूएई में हैं। वो दुबई में प्रैक्टिस कर रहे हैं। चोट की वजह से वो आईपीएल 14 के पहले हिस्से में नहीं खेल पाए थे।

वानिंदु हसरंगा हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम में शामिल, टिम डेविड और दुष्मंत चमीरा भी जुड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 के दूसरे फेज के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने रिप्लेसमेंट के तौर पर तीन खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया है। आरसीबी ने श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा, दुष्मंत चमीरा और टिम डेविड को टीम में जगह दी है। हसरंगा को एडम जाम्पा के स्थान पर टीम में रखा गया है, जबकि फिन एलेन की जगह पर टिम डेविड खेलते हुए नजर आएंगे। वहीं, दुष्मंत चमीरा डैनियल सैम्स को रिप्लेस करेंगे। आईपीएल 2021 के बचे हुए 31 मैच यूएई में 19 सितंबर से खेले जाने है। पहले मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से होना है। वानिंदु हसरंगा का प्रदर्शन भारत के खिलाफ खेली गई वनडे और टी-20 सीरीज में बेहद शानदार रहा था। हसरंगा ने वनडे में 3 और तीन टी-20 मैचों में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे। आरसीबी ने एडम जाम्पा की जगह पर हसरंगा को टीम में जगह दी है। जाम्पा ने यूएई में होने वाले आईपीएल के बचे हुए मैचों में नहीं खेलने का फैसला किया है। वहीं, सिंगापुर के बल्लेबाज टिम डेविड को आरसीबी ने फिन एलेन के स्थान पर टीम में रखा है। एलेन को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम में चुना गया है, जिसकी वजह से वह आईपीएल के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। तेज गेंदबाज केन रिर्चड्सन और डैनियल सैम्स ने भी टूर्नामेंट से खुद को दूर रखने का फैसला किया है। बैंगलोर की टीम का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में शानदार रहा था और टीम ने 7 मैचों में से 5 में जीत दर्ज की थी। हाल ही में पंजाब किंग्स की टीम ने भी ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए तेज गेंदबाज नाथन एलिस को आईपीएल 2021 के दूसरे फेज के लिए टीम में शामिल किया था। एलिस को झाय रिचर्ड्सन और रिले मेरेडिथ के टूर्नामेंट से हटने के बाद टीम से जोड़ा गया है। कंगारू गेंदबाज ने अपने इंटरनेशनल डेब्यू मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक लेकर सनसनी फैला दी थी। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल के बचे हुए 31 मैचों में हिस्सा लेने के लिए दुबई पहुंच चुकी हैं और ट्रेनिंग कर रहीं हैं।

एनसीए में राहुल द्रविड़ के काम को लेकर पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने जोर देकर कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि राहुल द्रविड़ नेशनल क्रिकेट अकेडमी (एनसीए) में मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री के बाद राहुल द्रविड़ के अगले भारतीय कोच होने को लेकर काफी सारी अफवाहें चल रही हैं। हालांकि द्रविड़ ने हाल ही में एक बार फिर से एनसीए हेड के लिए अप्लाई किया है। उनके अलावा और किसी और ने इस पोस्ट के लिए अप्लाई नहीं किया है। लेकिन बीसीसीआई ने समय-सीमा और बढ़ा दी है।पठान ने क्रिकट्रैकर से बातचीत करते हुए कहा, भारतीय क्रिकेट में सबसे अच्छी चीज ये हुई है कि राहुल द्रविड़ एनसीए के साथ हेड के रूप में जुड़े हुए हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्होंने अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ किया है। हमें पता है कि राहुल द्रविड़ ने किस तरह इंडिया-ए और अंडर-19 लेवल पर कड़ी मेहनत की थी, लेकिन अब वो एनसीए में हर एक कोच के साथ अपनी नॉलेज शेयर करते हैं और उन जैसे शख्स के लिए ये काफी बड़ी बात है। यही वजह है कि आप उनकी काफी इज्जत करते हैं। आपने चाहे एक फर्स्ट क्लास मैच खेला हो या फिर 100 मैच खेले हों वो आपको उतनी ही इज्जत देंगे। पठान ने हाल में एनसीए से कोचिंग का कोर्स किया था और सोशल मीडिया पर उन्होंने इसकी जानकारी दी थी। पूर्व ऑलराउंडर ने बेंगलुरू स्थित एनसीए से लेवल 2 का कोचिंग का कोर्स किया। इसके बाद उन्होंने एनसीए हेड राहुल द्रविड़ को भी धन्यवाद दिया था।

दिल्ली : अगस्त में एक दिन की बारिश ने तोड़ा 13 साल का रिकॉर्ड, ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को बताया कि दिल्ली में 139 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जो गत 13 साल में अगस्त महीने में 24 घंटे के भीतर सबसे अधिक बारिश है। आईएमडी ने इसके साथ ही शहर के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कई हिस्सों में भी भारी बारिश दर्ज की गई जिससे पारा लुढ़क गया और दिल्ली वालों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के लिए मानक माने जाने वाले सफरदजंग वेधशाला के आंकड़ों के मुताबिक राजधानी में शुक्रवार सुबह आठ बजकर 30 मिनट से लेकर शनिवार सुबह आठ बजकर 30 मिनट (24 घंटे की अविध) के बीच 139 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि रिज केंद्र में 149.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि 13 साल में ऐसा पहली बार

हुआ है जब अगस्त महीने में एक दिन में इतनी बारिश दर्ज की गई है। अब तक दिल्ली में अगस्त महीने के दौरान एक दिन में सबसे अधिक बारिश होने का रिकॉर्ड 184 मिमी है जो दो अगस्त 1961 को दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि बारिश की वजह से दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम, 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। दिल्ली में सापेक्षिक आर्द्रता 100 प्रतिशत है। मौसम वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि शनिवार दिन में भी आसमान में बादल छाए रहेंगे और मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। शहर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने दिल्ली के लिए शनिवार को ऑरेंज अलर्ट, जबकि रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।गौरतलब है कि 15 मिमी से कम बारिश को हल्की, 15 मिमी से 64.5 मिमी के बीच को मध्यम, 64.5 मिमी से 115.5 मिमी के बीच भारी, 115.5 मिमी से 204.4 मिमी के भी बेहद भारी श्रेणी में माना जाता है। 204.4 मिमी से अधिक बारिश को बेहद भारी बारिश श्रेणी में माना जाता है। बारिश की वजह से मिंटो ब्रिज, मूलचंद अंडरपास और आईटीओ सहित कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई है। जलजमाव की वजह से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कई अंडरपास को बंद कर दिया है और संबंधित जानकारी ट्विटर के माध्यम से लोगों को दे रही है। दिल्ली में भारी बारिश की वजह से वायु गुणवत्ता सूचकांक में भी सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचंकाक 67 दर्ज किया गया जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। बता दें कि एक्यूआई को शून्य और 50 के बीच अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

केंद्र सरकार के बड़े अफसर भ्रष्ट 4 महीने में लोकपाल को इनके खिलाफ मिलीं इतनी शिकायतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल अप्रैल और जुलाई के बीच लोकपाल को केंद्र सरकार के वरिष्ठ कर्मचारियों के खिलाफ कुल 30 शिकायतें मिली हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान मिली कुल शिकायतों में से 18 जुलाई और 12 अप्रैल और जून के महीने में मिली हैं। वहीं इनमें से 18 शिकायतें ग्रुप ए और बी श्रेणी के अधिकारियों के खिलाफ हैं। इसके अलावा 12 शिकायतें चेयरपरसन, मेंबर या ऑफिसर जैसे विभिन्न पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ मिली हैं। लोकपाल के आंकड़ों के मुताबिक यह सभी सरकारी या गैर सरकारी संस्थानों से ताल्लुक रखने वाले हैं।

आंकड़ों के मुताबिक प्राथमिक जांच के बाद 11 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है। वहीं सात मामलों में शुरुआती जांच के आदेश दिए गए थे। एक शिकायत में स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई और एक अन्य में टिप्पणी के लिए कहा गया था। तीन अन्य मामलों में लोकपाल ने अतिरिक्त सूचना की मांग की थी। इसके अलावा तीन शिकायतों में सीबीआई रिपोर्ट का

इंतजार है। यह सभी मामले 2021-22 के हैं।

गौरतलब है कि लोकपाल आम जनता के लिए काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करता है। अगर देश के प्रधानमंत्री पर भी अगर भ्रष्टाचार का कोई आरोप लगता है तो यह उसकी जांच कर सकता है। 19 मार्च 2019 को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जस्टिस पिनाकी चंद्र घोष को लोकपाल के चेयरपरसन पद की शपथ दिलाई थी। बाद में 27 मार्च को जस्टिस घोष ने लोकपाल के अन्य आठ सदस्यों, चार न्यायिक और बाकी गैर न्यायिक को शपथ ग्रहण कराई थी।

बता दें कि 2020-21 के दौरान लोकपाल को कुल 110 शिकायतें मिली थीं। यह 2019-20 में मिली 1427 शिकायतों की तुलना में 92 फीसदी कम थीं। 2020-21 में मिली कुल 110 शिकायतों में से 4 सांसदों, 57 ग्रुप और ग्रुप बी केंद्रीय अधिकारियों, 44 अन्य अधिकारियों कर्मचारियों और 5 अन्य के खिलाफ थीं। वहीं 2019-20 में मिली 1427 शिकायतों में 613 सरकारी अधिकारियों और चार केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के खिलाफ थीं।

सुप्रीम कोर्ट के बाहर आत्मदाह की कोशिश करने वाले व्यक्ति की मौत, आग लगाने से पहले किया था फेसबुक लाइव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के बाहर बीते दिनों कथित तौर पर एक महिला के साथ आत्महत्या की कोशिश करने वाले 27 वर्षीय व्यक्ति की शनिवार सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को आत्मदाह की कोशिश में 27 वर्षीय युवक 65 प्रतिशत, जबकि 24 वर्षीय युवती 85 प्रतिशत तक झुलस गई थी। दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने बताया कि महिला का इलाज चल रहा है।पुलिस ने बताया कि युवती उत्तर प्रदेश के गाजीपुर की रहने वाली है और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद अतुल राय ने 2019 में उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। सांसद इस मामले में दो साल से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। आत्महत्या का प्रयास करने से पहले युवती ने सहयोगी के साथ फेसबुक लाइव पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी पहचान बताई और आरोप लगाया कि उसने 2019 में अतुल राय के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। युवती ने आरोप लगाया है कि पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारी और अन्य लोग आरोपी का साथ दे रहे हैं। डीसीपी (नई दिल्ली) दीपक यादव ने कहा था कि इस घटना के पीछे की सटीक वजह का पता लगाने के लिए मामले की जांच जारी है, लेकिन ऐसा संदेह है कि युवती ने आरोपी पक्ष द्वारा फर्जीवाड़े के मामले में फंसाए जाने की डर से आत्महत्या की कोशिश की थी। डीसीपी यादव ने बताया कि मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने तत्काल उन दोनों पर कंबल डाला और आग बुझा दी। उन्होंने बताया कि दोनों को तुरंत राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया।

फेसबुक लाइव वीडियो में युवती ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की स्थानीय अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है

सत्ता मिलने पर बिखर तो नहीं जाएगी एकता विपक्षी नेताओं को उद्धव ठाकरे की नसीहत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में शुक्रवार को 19 दलों ने एकजुट रहकर अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का मुकाबला करने की बात कही। बैठक में शामिल शिवसेना प्रमुख और महाष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विपक्षी दलों को यह भी नसीहत दी कि सत्ता सामने दिखने पर एकजुटता बनी रहेगी, यह विश्वास जनता को दिलाना होगा। असल में उनका इशारा उन आशंकाओं को खारिज करने की जरूरत पर था, जिनमें बीजेपी की ओर से कहा जा रहा है कि नेतृत्व के सवाल पर यह एकता टूट जाएगी।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विपक्षी दलों से अनुरोध किया कि वे जनता का भरोसा जीतें और एकजुट व मजबूत रहें। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा शुक्रवार को बुलाई गई विपक्षी दलों के नेताओं

की ऑनलाइन बैठक के दौरान उन्होंने यह अपील की। शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा, बैठक के दौरान, ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि दलों को जनता का विश्वास जीतना होगा। राउत के मुताबिक ठाकरे ने कहा, अभी तो विपक्षी दलों में सत्ता को लेकर कोई लालसा नहीं है। लेकिन जब सत्ता सामने होगी तब भी विपक्षी दलों पर लोगों का यह भरोसा होना चाहिए कि वे मजबूत और एकजुट रहेंगे। राउत ने कहा कि सोनिया गांधी ने सभी दलों के नेताओं से व्यक्तिगत रूप से बात की थी और उनसे बैठक में आने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि इस बात पर भी चर्चा हुई कि एकजुट रहकर आगामी आम चुनाव की किस तरह तैयारी की जा सकती है, इसके अलावा कथित पेगासस जासूसी मामला, किसानों से जुड़े मुद्दे, बढ़ती महंगाई और लोकतंत्र पर हमला विषय पर भी ऑनलाइन बैठक में चर्चा हुई।

अफगानिस्तान में हालात के बारे में सवाल पूछे जाने पर राउत ने कहा कि भारत को तालिबान से खतरा है क्योंकि उसे भारत के शत्रुओं पाकिस्तान और चीन का समर्थन है। उन्होंने कहा, भारत में तालिबान के समर्थन में आवाज उठती है तो सरकार को उन्हें तुरंत कुचल देना चाहिए।सोनिया द्वारा बुलाई गई इस डिजिटल बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रमुक नेता एम. के. स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री एवं झामुमो नेता हेमंत सोरेन और महाराष्ट्र के मुख्यमत्री एवं शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे समेत 19 विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए थे।

अफगानिस्तान की राह पर पाकिस्तान, इस्लामाबाद में मदरसे पर फहराया गया तालिबानी झंडा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी राज से गदगद पाकिस्तान में एक बड़ी जमात इस कट्टरपंथी विद्रोही गुट से लगाव रखती है। पाकिस्तान की राजधानी में इस्लामाबाद में एक मदरसे पर तालिबानी झंडे फहराए गए हैं। बाद में पुलिस ने झंडों को हटाकर जब्त कर लिया। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी प्रशासन के अधिकारियों और

पुलिस ने बताया कि जामिया हफजा की छत पर 4-5 तालिबानी झंडे फहराए गए। यह मदरसा लंबे समय से पुलिस की निगरानी में रहा है। एक अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया, ''जुहर की नमाज़ के बाद ये झंडे फहराए गए। तुरंत प्रशासन और पुलिस को जानकारी दी गई। इसके बाद सीनियर अधिकारियों को सूचना दी गई और उनके निर्देश पर आगे की कार्रवाई की गई।''

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मदरसे में पहुंचे और इसके प्रशासन से बात की। इसके बाद इन झंडों को हटा दिया गया। एक अधिकारी ने कहा कि मदरसा प्रबंधन ने कहा कि उनका इन झंडों से कुछ लेना-देना नहीं है। कुछ स्टूडेंट्स ने इसे फहराया। पुलिस ने प्रबंधन को अलर्ट करते हुए कहा कि इस तरह की घटना दोबारा ना हो।

आप का आरोप- पीएम मोदी ने दिल्ली पर चलाया ब्रह्मास्त्र

फर्जी केसों में फंसाने को दिल्ली पुलिस, सीबीआई और ईडी को सौंपी 15 लोगों की लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से दिल्ली सरकार द्वारा 1000 लो फ्लोर बसों की खरीद की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश के बाद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों से पहले हमें निशाना बनाने के लिए पीएम मोदी अपने ब्रह्मास्त्र-राकेश अस्थाना का इस्तेमाल कर रहे हैं।सिसोदिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि हमें पता चला है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सीबीआई, ईडी, दिल्ली पुलिस को 15 लोगों की एक सूची देकर टास्क दिया है। इन सभी एजेंसियों से कहा गया है कि लिस्ट में मौजूद सभी लोगों को बर्बाद करना है। उन्होंने कहा

कि दिल्ली पुलिस को दी गई इस लिस्ट में आम आदमी पार्टी (आप) के कुछ नेताओ के भी नाम हैं। आप के नेता कहा कि दिल्ली पुलिस के कमिश्नर राकेश अस्थाना को कहा गया है कि इन 15 लोगों को किसी भी तरह बर्बाद कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सच्चाई और ईमानदारी की राजनीति करती है। पीएम मोदी ने इससे पहले भी सारे डिपार्टमेंट भेजे हैं, आप दोबारा भेज लीजिये, आप फर्जी रेड करा लीजिए। सीबीआई, दिल्ली पुलिस, ईडी, इनकम टैक्स की रेड करा सकते हैं। मेरे ऊपर भी रेड हुई है, कृपया करके पीएम मोदी बताएं उस रेड में क्या निकला है।आप विधायकों के खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज कराए गए। सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ साजिश रची गई। सीएम के यहां सीबीआई की रेड कराई गई, लेकिन कोर्ट में सब छूट गए क्योंकि ये सब फर्जी था।

असमः सोशल मीडिया पर तालिबान का समर्थन करना पड़ा महंगा, पुलिस ने 14 लोगों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (एजेंसी)। अफगानिस्तान में कब्जा जमा चुके तालिबानियों के प्रति भारत में प्रेम दिखाने वालों पर पुलिस का डंडा चला है। असम में सोशल मीडिया पर तालिबान का समर्थन करने वाले 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान राज का समर्थन करने वाले कथित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए पूरे असम से चौदह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तारियां शुक्रवार रात से की गई हैं और उन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, आईटी अधिनियम और सीआरपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

काबुल से रवाना हुआ भारतीय वायुसेना का एक और विमान, मौत के मुंह से सुरक्षित वापस आ रहे 85 भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान अब तालिबान के कब्जे में है। काबुल एयरपोर्ट छोड़कर करीब-करीब हर जगह तालिबानी लड़ाकों की तैनाती है। फिलहाल एयरपोर्ट की सुरक्षा अमेरिकी सैनिकों के हाथों में है, जिसकी मदद से भारत भी अपने नागरिकों को एयरलिफ्ट कर घर वापस ला रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री से सहयोग की अपील की थी।एक समाचार एजेंसी ́ के अनुसार, शनिवार को भी भारतीय वायु सेना (ΐंइ) का ण्-130व् विमान ने काबुल से 85 भारतीयों को निकाला। एएनआई ने घटनाक्रम से परिचित लोगों का हवाला देते हुए बताया कि आईएएफ विमान ताजिकिस्तान में ईंधन भरने के लिए उतरा क्योंकि भारत सरकार के अधिकारी काबुल से भारत के

नागरिकों को निकालने में मदद कर रहे हैं। अफगानिस्तान संकट के बीच काबुल में करीब एक हजार भारतीय फंसे हैं। अफगानिस्तान में फंसे करीब एक हजार भारतीयों को निकालने की चुनौती सरकार के सामने है। भारत सरकार अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए विभिन्न भागीदार पक्षों के संपर्क में है। अभी तक भारतीय दूतावास से जुड़े लोगों को निकाला जा चुका है, लेकिन काफी संख्या में भारतीय नागरिक अफगानिस्तान में फंसे हुए हैं। सुरक्षा संबंधी क्लियरेंस मिलने के बाद भारतीय वायुसेना के विमान तुरंत काबुल के लिए रवाना होगा।इससे पहले सोमवार को जो लोग भारत वापस आए थे, उन्हें काबुल के राजनयिक क्वार्टर की रखवाली करने वाले तालिबान लड़ाकों ने वापस कर दिया था।

ग्वादर में चीनी इंजीनियरों पर हमलाः सीपीईसी की सुरक्षा में नाकाम पाकिस्तान को ड्रैगन ने लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 अगस्त को पाकिस्तान के ग्वादर में हुए आत्मघाती हमले में 2 बच्चों की मौत हो गई है और 3 लोग घायल हो गए हैं। यह हमला चीनी नागरिकों को ले जा रहे एक वाहन को निशाना बनाकर किया गया था लेकिन इस हमले में किसी चीनी नागरिक की मौत नहीं हुई है। अब पाकिस्तान में चीनी दूतावास ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान को फटकार लगाई है। चीन ने इमरान खान सरकार से इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए व्यावहारिक और प्रभावी उपाय करने को कहा है। चीन ने घायलों को उचित इलाज देने और हमले की गहन जांच कर अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। चीन ने कहा है कि

पाकिस्तान को सभी स्तरों पर और सभी विभागों को इन हमलों को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने की बात कही है। कहा गया है कि हालिया दिनों में पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ी है। इन दिनों कई आतंकी हमले हुए हैं जिसमें कई चीनी नागरिक हताहत हुए हैं। चीन ने पाकिस्तान में रह रहे चीनी नागरिकों से अतिरिक्त सतर्क रहने और सुरक्षा को लेकर सावधान किया है।चीन करीब 60 बिलियन डॉलर की लागत से चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर पर काम कर रहा है। इसी कड़ी में ग्वादर पोर्ट का विकास भी होना है।

तालिबान की सरकार में हक्कानी गुट का होगा बड़ा रोल, अफगानिस्तान में इसलिए इन्हें माना जाता है बेहद खतरनाक

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान के कुछ प्रमुख नेता जुटा रहे हैं। इनके यहां जुटने का मकसद नई सरकार के गठन को लेकर बातचीत करना है। यहां जुट रहे आतंकी नेताओं में हक्कानी गुट भी है, जो यहां का सबसे खतरनाक आतंकी गुट माना जाता है। हक्कानी गुट को हालिया समय में यहां पर कुछ बेहद खतरनाक हमलों को अंजाम देने के लिए जाना जाता है। इतनी खतरनाक छवि होने के बावजूद माना जा रहा है कि अफगानिस्तान में बन रही नई तालिबान सरकार में हक्कानी का अहम रोल होगा। इस ग्रुप को जलालुद्दीन हक्कानी ने तैयार किया था। 1980 के दशक में सोवियत संघ के खिलाफ जेहाद में इस ग्रुप ने काफी महत्व हासिल किया था। सीआईए के लिए यह किसी खजाने की तरह था। इस ग्रुप से जुड़े मुजाहिदीनों को अमेरिका और पाकिस्तान से पैसे और हथियार मिलते थे। बाद में सोवियत संघ के अफगानिस्तान से जाने के बाद जलालुद्दीन हक्कानी ने विदेश जेहादियों से संबंध बनाए जिसमें ओसामा बिन लादेन भी शामिल था। इसके बाद 1996 में अफगानिस्तान पर काबिज होने वाले तालिबान के साथ हक्कानी गुट के संबंध बने।

साल 2018 में जलालुद्दीन हक्कानी की मौत के बाद उसका बेटा सिराजुद्दीन इस नेटवर्क का मुखिया बन गया। अपनी दौलत, सैन्य बल और खूंखार पहचान के चलते वह तालिबान का नजदीकी साथी बन चुका है। अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से समेत पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में अपनी पकड़ रखने वाला यह ग्रुप तालिबान के नेतृत्व में पिछले कुछ समय में ज्यादा तेजी से उभरा है। सिराजुद्दीन का छोटा भाई अनस, जिसे पिछली अफगान में मौत की सजा हुई थी, सरकार गिरने के बाद हामिद करजई के साथ बातचीत तक में शामिल हुआ था। पिछले दो दशक में हक्कानी नेटवर्क ने अफगानिस्तान में सबसे खतरनाक हमलों को अंजाम दिया है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम
पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।
आरएनआई नं.
UPHIN 2001/9025